Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 280
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 16 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 सोलापुर-मुंबई हवाई सेवा से औद्योगिक विकास ...
4 आए दिन भगदड़ से लोगों की हो रही मौत...
7 भारत बनाम पाकिस्तान, सुल्तान जोहोर कप:...

संक्षिप्त न्यूज

पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को सरकार का दिवाली तोहफा, अलग-अलग मदों की सहायता राशि दोगुनी की गई

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू की जाने वाली योजनाओं के तहत पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता में 100 फीसदी वृद्धि करने को मंजूरी दी है। इस फैसले के बाद आश्रितों को शिक्षा, विवाह और निर्धनता अनुदान के अंतर्गत मिलने वाली वित्तीय सहायता राशि दोगुनी हो गई है। संशोधित दरें आगामी एक नवम्बर से लागू होंगी।

बुधवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये योजनाएं पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू की जाती हैं। वित्तीय सहायता में की गई प्रमुख बढ़ोतरी इस के तहत निर्धनता अनुदान की राशि 4,000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 8,000 रुपए प्रति माह प्रति लाभार्थी कर दिया गया है। यह सहायता 65 वर्ष से अधिक आयु वाले उन पूर्व सैनिकों के आश्रितों और विधवाओं को आजीवन दी जाएगी, जिनकी कोई नियमित आय नहीं है और जो गैर-पेंशनभोगी हैं।

शिक्षा अनुदान की श्रेणी में दो आश्रित बच्चों (कक्षा 1 से स्नातक तक) या दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम कर रही विधवाओं के लिए शिक्षा अनुदान एक हजार रुपये से बढ़ाकर दो हजार रुपये प्रति व्यक्ति प्रति माह कर दिया गया है।विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें।

सरकार की ओर से विवाह अनुदान में भी बढ़ोतरी की गई है। इसे 50,000 रुपए से बढ़ाकर 1,00,000 रुपए प्रति लाभार्थी कर दिया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अनुदान अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह अथवा विधवा पुनर्विवाह के लिए लागू होगा, बशर्ते विवाह इस आदेश के जारी होने के बाद संपन्न हुआ हो।

प्रधानमंत्री मोदी आज आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे

कई विकास परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज आंध्र प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। आधिकारिक घोषणा के अनुसार, वह नंदयाल जिले में स्थित भ्रमरम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में पूजा-अर्चना करेंगे और दर्शन करेंगे। मंदिर में दर्शन के बाद, प्रधानमंत्री मोदी श्रीशैलम स्थित शिवाजी स्फूर्ति केंद्र भी जाएँगे। इसके बाद प्रधानमंत्री कुरनूल जाएँगे, जहाँ वे लगभग 13,430 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। विज्ञप्ति में बताया गया है कि इस अवसर पर वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

इसमें आगे उल्लेख किया गया है कि प्रधानमंत्री भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में पूजा और दर्शन करेंगे, जो 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक और 52 शक्तिपीठों में से एक है। इस मंदिर की अनूठी विशेषता एक ही मंदिर परिसर में एक ज्योतिर्लिंग और एक शक्तिपीठ का सह-अस्तित्व है, जो इसे पूरे देश में अपनी तरह का एक अनूठा मंदिर बनाता है। प्रधानमंत्री शिवाजी स्फूर्ति केंद्र का भी दौरा करेंगे, जो एक स्मारक परिसर है जिसमें एक ध्यान मंदिर (ध्यान कक्ष) शामिल है जिसमें चार कोनों पर चार प्रतिष्ठित किलों, प्रतापगढ़, राजगढ़, रायगढ़ और शिवनेरी के मॉडल हैं। इसके केंद्र में

गहरे ध्यान में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक मूर्ति है।

यह केंद्र शिवाजी स्मारक समिति द्वारा संचालित है, जिसकी स्थापना श्रीशैलम में 1677 में छत्रपति शिवाजी महाराज की इस पवित्र तीर्थस्थल की ऐतिहासिक यात्रा के उपलक्ष्य में की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगभग 13,430 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। ये परियोजनाएँ उद्योग, बिजली पारेषण, सड़क, रेलवे, रक्षा विनिर्माण और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सहित प्रमुख क्षेत्रों में फैली हुई हैं, जो क्षेत्रीय बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने, औद्योगीकरण में तेजी लाने और राज्य में समावेशी सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

प्रधानमंत्री 2,880 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से कुरनूल-घ्घ्पूलिंग स्टेशन पर पारेषण प्रणाली सुदृढ़ीकरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। इस परियोजना में 765 केवी डबल-सर्किट कुरनूल-घ्घ्पूलिंग स्टेशन-चिलकलुरिपेटा ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण शामिल है, जिससे रूपांतरण क्षमता में 6,000 एमवीए की वृद्धि होगी और देश के विकास को समर्थन देने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के बड़े पैमाने पर ट्रांसमिशन को सक्षम किया जा सकेगा।

प्रधानमंत्री कुरनूल में ओर्वाकल औद्योगिक क्षेत्र और कडप्पा में कोप्पर्थी औद्योगिक क्षेत्र की आधारशिला भी रखेंगे, जिनका कुल निवेश 4,920 करोड़ रुपये से अधिक होगा। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट (एनआईसीडीआईटी) और आंध्र प्रदेश औद्योगिक अवसंरचना निगम लिमिटेड (एपीआईआईसी) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित, ये आधुनिक, बहु-क्षेत्रीय औद्योगिक केंद्र प्लग-एंड-प्ले अवसंरचना और वॉक-टू-वर्क अवधारणा पर आधारित हैं। इनसे लगभग 21,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने और लगभग एक लाख रोजगार सृजित होने की उम्मीद है, जिससे आंध्र प्रदेश के रायलसीमा क्षेत्र में औद्योगिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिलेगा।

भागवत बोले- आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का अर्थ नहीं

महाश्रमणजी की शिक्षाओं से दूर होगी समाज में हिंसा

अहमदाबाद।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर लोग यह मंत्र अपनाएं कि 'मैं सबमें हूं और सब मुझमें हैं', तो समाज में हिंसा समाप्त हो सकती है।

भागवत गुजरात दौरे के दूसरे दिन गांधीनगर के पास कोबा स्थित प्रेक्षा विश्व भारती ध्यान केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने आध्यात्मिक गुरु आचार्य महाश्रमणजी से मुलाकात की।

इस मौके पर उन्होंने कहा, मैं हर साल यहां आता हूं ताकि अपनी बैटरी चार्ज कर सकूं। भागवत ने कहा, व्यक्तिगत और राष्ट्रीय चरित्र का आधार नैतिकता है और नैतिकता का आधार आध्यात्मिकता है, क्योंकि आध्यात्मिकता के बिना नैतिकता का कोई अर्थ नहीं है। इसी वजह से मैं ऐसे स्थानों पर जाता हूं, जहां मुझे उस काम के लिए ऊर्जा मिलती है, जो मैं कर रहा हूं।

आरएसएस की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया, भागवत ने आचार्य महाश्रमणजी की अहिंसा से जुड़ी शिक्षाओं का जिक्र करते हुए कहा, अगर लोग उनका यह मंत्र अपनाएं- मैं सबमें हूं और सब मुझमें हैं, तो समाज में हिंसा थम जाएगी।

भागवत ने कहा, आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर कोई बड़ा आयोजन नहीं किया जाएगा। अगर हमने देश के लिए 100 साल काम किया है, तो वह हमारा कर्तव्य था, उसका उत्सव मनाने की कोई जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि बड़ी-बड़ी सभाओं के बजाय आरएसएस कार्यकर्ता ऐसे कार्यक्रम आयोजित करेंगे, जिनसे समाज में समरसता पैदा हो।

भागवत ने बताया, हमने पांच प्रकार के कार्यक्रमों की योजना बनाई है, जिनमें पारिवारिक शिक्षा, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य और स्वदेशी (आत्मनिर्भरता) पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक इन सिद्धांतों का पालन करना शुरू कर चुके हैं

'मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा!' तेजस्वी को उनके गढ़ में ललकारने के बाद प्रशांत किशोर का बड़ा ऐलान

पटना। जन सुराज के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बुधवार को पुष्टि की कि वह नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, लेकिन व्यापक हित में अपनी पार्टी के साथ काम करते रहेंगे। यह स्पष्टीकरण उन अटकलों के बीच आया है कि किशोर राघोपुर सीट से चुनाव लड़ेंगे, जहाँ से पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव चुनाव लड़ने पर विचार कर रहे हैं। किशोर ने कहा कि नहीं, मैं चुनाव नहीं लड़ूँगा। पार्टी ने फैसला कर लिया है... मैं पार्टी में जो काम कर रहा हूँ, करता रहूँगा। मैं पार्टी के व्यापक हित के लिए संगठनात्मक कार्य जारी रखूँगा।

अपने प्रतिद्वंदी के गढ़ में चुनावी जंग छेड़ते हुए, प्रशांत किशोर ने 11 अक्टूबर को राजद नेता तेजस्वी यादव के गृह क्षेत्र राघोपुर से अपने अभियान की शुरुआत की और उन्हें उसी तरह निर्णायक रूप से हराने का संकल्प लिया जैसे 'राहुल गांधी को अमेठी में हराया गया था'। 47 वर्षीय इस राजनेता का पटना से लगभग 50 किलोमीटर दूर, गंगा के उस पार स्थित वैशाली जिले के निर्वाचन क्षेत्र में, ढोल की थाप पर समर्थकों ने उनके गले में मालाएँ डालकर जोरदार स्वागत किया।

चंद्रयान के बाद अब गगनयान! 2040 तक चांद पर भारत का मानव मिशन

नई दिल्ली। इसरो प्रमुख वी नारायणन ने हाल ही में भारत के प्रमुख अंतरिक्ष उद्देश्यों पर एक अपडेट दिया, जिसमें देश के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष यान मिशन के प्रक्षेपण कार्यक्रम की पुष्टि की गई और चंद्र अन्वेषण एवं अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इसरो प्रमुख के अनुसार, भारत का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष यान मिशन गगनयान, 2027 में अपने प्रक्षेपण के लिए तैयार है। भारत की अंतरिक्ष क्षमता को रेखांकित करते हुए, इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने कहा कि देश नौ अंतरिक्ष श्रेणियों में विश्व स्तर पर प्रथम स्थान पर है। इसरो की उपलब्धियों में चंद्रयान-1 मिशन के ज़रिए चंद्रमा पर पानी की खोज से लेकर चंद्रयान-3 मिशन के ज़रिए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास पहली सॉफ्ट लैंडिंग

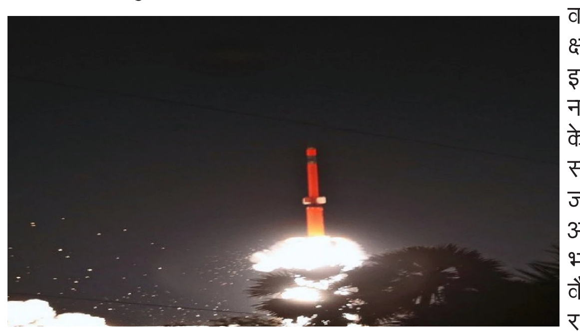

तक शामिल है। इसरो प्रमुख ने कहा कि इस सफलता के आधार पर प्रधानमंत्री ने 2040 तक भारत के पहले मानवयुक्त चंद्र मिशन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके बाद इसरो को उम्मीद है कि उसके पास नागरिकों को चंद्रमा पर ले जाने और वापस लाने की क्षमता होगी।

इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने इसरो के अन्य मिशनों और सहयोगों पर भी जानकारी दी:

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: भारत अपनी वैज्ञानिक और रणनीतिक प्राथमिकताओं के आधार पर अंतरिक्ष में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए तैयार है।

आदित्य एल1 की सफलता: आदित्य एल1 मिशन ने पहले ही 15 टेराबिट से अधिक सौर डेटा प्राप्त कर लिया है, जिससे कोरोनल मास इजेक्शन और अंतरिक्ष मौसम के बारे में गहन जानकारी मिलती है।

भविष्य के बुनियादी ढाँचे की आवश्यकताएँ

भारी-उठाने वाला रॉकेट: इसरो को अपनी भविष्य की महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए 80,000 किलोग्राम भार को पृथ्वी की निचली कक्षा तक ले जाने में सक्षम रॉकेट के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

व्यावसायिक सफलता: अंतरिक्ष में भारत की विश्वसनीयता को रेखांकित करते हुए, इसरो प्रमुख ने कहा कि एजेंसी ने 34 देशों के 433 उपग्रहों को व्यावसायिक रूप से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया है।

तेजस्वी यादव का राघोपुर से नामांकन

लालू-राबड़ी भी रहे मौजूद, कहा- सरकार बनाकर बिहार को समृद्ध बनाएंगे

राघोपुर। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को राघोपुर विधानसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल किया, जहां उनका लक्ष्य हैट्रिक बनाना है। उन्होंने कहा कि वह न केवल सरकार बनाना चाहते हैं, बल्कि बिहार को समृद्ध भी बनाना चाहते हैं। इस दौरान लालू यादव और राबड़ी देवी भी मौजूद रहे। तेजस्वी यादव ने कहा कि राघोपुर की जनता ने मुझ पर दो बार भरोसा जताया है। यह तीसरी बार है जब मैंने राघोपुर से अपना नामांकन दाखिल किया है। हमारा संकल्प है कि बिहार के हर परिवार में एक सरकारी नौकरी हो। हमें बिहार से बेरोजगारी मिटानी है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि हमें बिहार को आगे ले जाना है। हम न केवल अपनी सरकार बनाना चाहते हैं, बल्कि हम यह भी चाहते हैं कि बिहार समृद्ध बने। कुछ लोग दावा कर रहे थे कि मैं दो सीटों पर चुनाव लड़ूंगा। तेजस्वी यादव सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। मैं राघोपुर से चुनाव लड़ता रहा हूं और आगे भी लड़ता रहूंगा। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि अब जेडीयू को नीतीश कुमार चला रहे हैं।

जेडीयू को ललन सिंह, संजय झा और विजय चौधरी चला रहे हैं। जेडीयू अब नीतीश कुमार के साथ नहीं रही। ये तीनों नेता भाजपा के हाथों बिक गए हैं और इन्होंने नीतीश कुमार को बर्बाद कर दिया है। राघोपुर निर्वाचन क्षेत्र ने अतीत में उनके माता-पिता को बिहार के मुख्यमंत्री चुना था। 35 वर्षीय तेजस्वी यादव ने वैशाली ज़िले के मुख्यालय हाजीपुर स्थित कलेक्ट्रेट में अपने पिता और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद और माता राबड़ी देवी की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। पूर्व उप-मुख्यमंत्री के साथ पाटलिपुत्र से सांसद और सबसे बड़ी बहन मीसा भारती और राज्यसभा सदस्य संजय यादव जैसे कई करीबी सहयोगी और परिवार के सदस्य भी मौजूद थे।

20 साल बाद पार्टी की सत्ता में वापसी की उम्मीद लगाए बड़ी संख्या में समर्थक सड़क के दोनों ओर खड़े थे, क्योंकि राजद नेताओं को पटना स्थित पार्टी सुप्रीमो के घर से हाजीपुर अनुमंडल कार्यालय तक 40 किलोमीटर की यात्रा पूरी करने में कुछ घंटे लग गए। उल्लेखनीय है कि नामांकन दाखिल करने से पहले तेजस्वी ने रोड शो किया था और जिस कार में यादव अपने माता-पिता और बहनों के साथ यात्रा कर रहे थे।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे, वायु गुणवत्ता खराब रही

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता बुधवार सुबह लगातार दूसरे दिन 'खराब श्रेणी' में रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 210 दर्ज किया गया। दिल्ली में मंगलवार को एक्यूआई 201 दर्ज किया गया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार बुधवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री कम 18.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है और मौसम विभाग ने सुबह के समय धुंध छाए रहने तथा बाद में आसमान साफ रहने का अनुमान जताया है। आईएमडी के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 89 प्रतिशत थी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच को 'मध्यम', 201 से 300 के बीच को 'खराब', 301 से 400 के बीच को 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच को 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है।

कर्नाटक में होगा बड़ा कैबिनेट फेरबदल? गृह मंत्री जी परमेश्वर का आया बड़ा बयान

बैंगलुरू। राज्य सरकार में संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलों के बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि इस संबंध में कोई भी फैसला कांग्रेस आलाकमान को लेना है। उन्होंने आगे कहा कि अगर पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे कर्नाटक आना चाहें, तो उनका स्वागत है। पत्रकारों से बात करते हुए, जी परमेश्वर ने कहा कि अगर कोई बदलाव होता है, और संभावित व्यक्ति कौन होगा, इस बारे में बात करने के लिए मैं सक्षम नहीं हूँ। पार्टी आलाकमान द्वारा लिया गया कोई भी फैसला, खासकर अगर खड़गे जी कर्नाटक आना चाहते हैं, तो उनका स्वागत है।

इससे पहले सोमवार को, सिद्धारमैया ने अपने सभी कैबिनेट सहयोगियों के लिए एक रात्रिभोज बैठक का आयोजन किया। यह बैठक राज्य में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने से कुछ हफ़्ते पहले हुई। हालांकि राज्य में मंत्रिमंडल में जल्द ही फेरबदल की अटकलें लगाई जा रही थीं, कर्नाटक के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि रात्रिभोज बैठक का एकमात्र एजेंडा बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी), जिला पंचायत (जेडपी) और तालुका पंचायत (टीपी) चुनाव थे।

यह पूछे जाने पर कि क्या मंत्रियों के प्रदर्शन पर चर्चा हुई, उन्होंने कहा कि बैठक में ऐसा कोई मूल्यांकन नहीं किया गया। बैठक के बाद रामलिंगा रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा, 'एकमात्र एजेंडा चुनाव था। बेंगलुरु के लोगों के लिए, बीबीएमपी और ग्रामीण लोगों के लिए, जेडपी/टीपी।' यह बैठक कांग्रेस के भीतर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थकों द्वारा यह दावा किए जाने की पृष्ठभूमि में भी हुई कि वही मुख्यमंत्री होंगे।

राज्य में 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद, डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे। कई दौर की चर्चा के बाद, कांग्रेस आलाकमान ने सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री पद के लिए चुना। उस समय ऐसी खबरें थीं कि शिवकुमार और सिद्धारमैया के बीच मुख्यमंत्री पद के रोटेशन के बाद इस फैसले पर सहमत हो गए थे। हालाँकि, कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने कभी भी सार्वजनिक रूप से इस तरह की किसी व्यवस्था के अस्तित्व को स्वीकार नहीं किया।

'आलोचना से मदद नहीं मिलेगी, पीड़ितों के साथ खड़ा होना जरूरी', उत्तर बंगाल आपदा पर सीएम ममता

कोलकाता। उत्तर बंगाल में बीते दिनों भारी बारिश और भूस्खलन ने जबरदस्त तबाही मचा दी। इतना ही नहीं इस प्राकृतिक आपदा के चलते लगभग 32 लोगों की मौत भी हो गई। ऐसे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है। बुधवार को उन्होंने प्रभावित लोगों की मदद को लेकर कहा कि केवल सरकार की आलोचना करने से कुछ नहीं होगा, बल्कि जरूरत है कि लोग खुद आगे आकर पीड़ितों के साथ खड़े हों।

दार्जिलिंग हिल्स में एक प्रशासनिक बैठक को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि मिरिक, कालिमपोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार और अन्य इलाकों में कई घर, स्वास्थ्य केंद्र और सरकारी इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। सरकार इन इलाकों में युद्धस्तर पर पुनर्निर्माण कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिर्फ आलोचना करने से लोगों की परेशानियां कम नहीं होंगी। जरूरत है कि हम पीड़ितों के पास जाकर उनकी मदद करें।

सीएम ममता ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने 'पश्चिम बंगाल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण' नाम से एक नया फंड शुरू किया है। साथ ही लोगों से उसमें दान देने की अपील की। उन्होंने पावर मंत्री अरूप विश्वास को खाते की जानकारी पढ़ने को भी कहा। उन्होंने कहा कि भूस्खलन और बाढ़ के बाद इन केंद्रों को 500 क्विंटल आलू भेजे गए हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, सरकार अब तक उत्तर बंगाल में कृषि विकास के लिए 7,000 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है।

अल्पसंख्यक आयोग में रिक्तियों पर दिल्ली एचसी सख्त, केंद्र को जल्द रुख स्पष्ट करने का निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को केंद्र से उस याचिका पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा जिसमें राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग में अध्यक्ष पद सहित रिक्तियों का मुद्दा उठाया गया है। न्यायालय ने इसे एक महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ को सूचित किया गया कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष का पद 22 अप्रैल से रिक्त है, जब अंतिम अधिकारी का कार्यकाल समाप्त हुआ था।

केंद्र की ओर से पेश वकील ने अदालत से अधिकारियों से निर्देश प्राप्त करने के लिए समय देने का आग्रह किया। इस पर पीठ ने कहा कि कृपया सुनिश्चित करें कि मामले आगे बढ़ें। अगली तारीख का इंतज़ार न करें। यह बहुत महत्वपूर्ण है। अदालत अल्पसंख्यक समन्वय समिति के संयोजक होने का दावा करने वाले याचिकाकर्ता मुजाहिद नफीस की

जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि 'एनसीएम के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सभी पांच सदस्यों की नियुक्ति करने में सरकार की घोर विफलता के कारण एनसीएम पूरी तरह से और व्यवस्थित रूप से अक्षम हो गई है। याचिका में दावा किया गया है कि कार्यपालिका की इस लापरवाही ने भारत के अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के संरक्षण और कल्याण के लिए संसद के एक अधिनियम द्वारा गठित एक महत्वपूर्ण वैधानिक निकाय को पूरी तरह से निष्क्रिय और नेतृत्वविहीन बना दिया है।

याचिका में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के माध्यम से केंद्र को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम के अनुसार एनसीएम के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पांच सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने और पूरी करने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से अधिमानतः अदालत के आदेश की तारीख से चार सप्ताह के भीतर पूरा करने की भी मांग की गई है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एण के ग्रीन पटाखों पर फैसले का किया स्वागत, बोलीं- दिल्ली की दिवाली होगी हरित

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा पटाखों पर प्रतिबंध की शर्तों में ढील देने के फैसले का स्वागत किया, जिससे दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में ग्रीन पटाखों की बिक्री और फोड़ने की अनुमति मिल गई। आभार व्यक्त करते हुए, दिल्ली की मुख्यमंत्री ने इस फैसले को पर्यावरण संरक्षण और त्योहार की भावना के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण बताया।एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि हम दिल्ली सरकार के विशेष अनुरोध पर राजधानी में ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति देने के लिए माननीय सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। यह फैसला दिवाली जैसे पवित्र त्योहारों के दौरान जनता की भावनाओं और उत्साह का सम्मान करता है, साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण को भी दर्शाता है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक 'स्वच्छ और हरित' दिल्ली सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार जनभावनाओं का सम्मान करते हुए, स्वच्छ और हरित दिल्ली के संकल्प के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि त्योहारों की रौनक बरकरार रहे और साथ ही पर्यावरण की सुरक्षा भी हो।

महाविकास अघाड़ी की मुख्य चुनाव अधिकारी संग बैठक, निकाय चुनाव से पहले उठाए ये मुद्दे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में आगामी निकाय चुनावों से पहले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी संग मुंबई में बैठक की। मनसे प्रमुख राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे सहित महाविकास अघाड़ी के नेता मुख्य चुनाव अधिकारी से मिलने महाराष्ट्र चुनाव आयोग पहुंचे। जहां चुनावों से जुड़े अहम मुद्दे उठाए गए। राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर सियासी हलचल तेज हो रही है। जिसके तहत बुधवार (15 अक्टूबर) राज ठाकरे सहित महाविकास अघाड़ी के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के साथ अहम बैठक की। इस दौरान सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की और 'वोट चोरी' के आरोपों की जांच की मांग की। वहीं स्थानीय निकाय चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित करवाने की भी अपील की।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा, '2024 के विधानसभा चुनावों से पहले, एमवीए ने चुनाव आयोग को एक पत्र लिखा था कि भाजपा मतदाता सूची में लोगों के नाम जोड़ रही है, क्योंकि वह आपके ध्यान में लाना चाहती है। हमने स्पष्ट रूप से कहा था कि जब तक ये खामियां दूर नहीं हो जातीं, चुनाव नहीं कराए जाने चाहिए।' उद्धव ठाकरे ने आगे कहा, 'एक और महत्वपूर्ण मुद्दा यह उठाया गया है कि 31 जुलाई तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वालों को ही मतदान करने की अनुमति होगी। 31 जुलाई की अंतिम तिथि अस्वीकार्य है। हमारा पहला ध्यान मतदाता सूची में सुधार और फिर वोट चोरी को रोकना है। हमें ईवीएम पर आपत्ति है। अब वे वीवीपैट का उपयोग नहीं करना चाहते हैं। क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि वे सबूत नष्ट करना चाहते हैं? यह लोकतंत्र के विरुद्ध है। जब सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिला, तो हमने भाजपा नेताओं को भी बुलाया, लेकिन वे बैठक में शामिल नहीं हुए।

धार्मिक शिक्षा के केंद्र में शर्मनाक कांड, रत्नागिरी गुरुकुल के प्रमुख-शिक्षक पर यौन उत्पीड़न का आरोप

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र भर के छात्रों को आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करने वाले वारकरी गुरुकुल की एक छात्रा द्वारा गुरुकुल के प्रमुख और एक शिक्षक पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद रत्नागिरी में मामला दर्ज किया गया है। छात्रा ने 12 जून को गुरुकुल में दाखिला लिया और बताया कि शुरुआती दिन सामान्य रहे। बाद में उसने भगवान कोकरे महाराज द्वारा अनुचित शारीरिक संपर्क और कष्टदायक व्यवहार की शिकायत की। छात्रा ने पुलिस को दिए अपने बयान में कहा जब भी मैं कमरे में अकेली होती, वह अंदर आ जाता और अनुचित व्यवहार करता। छात्रा ने आगे आरोप लगाया कि शिक्षक प्रीतेश प्रभाकर कदम ने गुरुकुल प्रमुख की वरिष्ठता और प्रभाव का हवाला देते हुए उसे घटना की जानकारी साझा न करने की चेतावनी दी थी। उसने आगे कहा कि मुझे बताया गया कि अगर मैंने कुछ कहा तो मेरी पढ़ाई प्रभावित हो सकती है और मेरे परिवार को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। मामला तब सामने आया जब छात्रा

ने अपने पिता को अपनी आपबीती सुनाई, जिन्होंने फिर अधिकारियों से संपर्क किया।

शिकायत के आधार पर, पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। चल रही जाँच के तहत उन्हें दो दिन की हिरासत में रखा गया है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कानूनी प्रक्रिया के अनुसार सभी के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक भास्कर जाधव ने अधिकारियों से व्यापक जाँच करने का आग्रह किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए गुरुकुल से संबंधित किसी भी बाहरी संबंध या दौरे को उजागर किया जाएगा।

घाटकोपर में तीन लोगों ने ज्वैलर्स को लूटा - एक पर धारीदार हथियार से हमला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

> इस ज्वैलर्स में तीन लोग घुसे थे। उन्होंने शिकायतकर्ता की गर्दन पर धारदार हथियार से हमला किया। वह घायल है, और हम इसकी गहनता से जाँच कर रहे हैं...
> **राकेश ओला, पुलिस उपायुक्त, परिमंडल 7**

मुंबई - घाटकोपर पश्चिम के अमृतनगर इलाके में तीन लुटेरों ने चाकू की नोक पर दर्शन ज्वैलर्स को लूट लिया। दुकानदारों में से एक पर धारदार हथियार से हमला किया गया और उसकी गर्दन पर गंभीर चोटें आईं।

चोरों ने 30 ग्राम सोना चुरा लिया है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है, परिमंडल 7 के पुलिस उपायुक्त राकेश ओला ने बताया कि सुबह लगभग 10:30 बजे, 3 अज्ञात व्यक्ति घाटकोपर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत अमृत नगर में गोली बार रोड पर दर्शन ज्वैलर्स में घुस गए, कर्मचारियों को चाकू से धमकाया, दुकानदार दर्शन मेटकरी पर चाकू से वार किया। और 30 ग्राम सोना लिया और भाग गए। घाटकोपर पुलिस ने इस घटना की जांच के लिए 6 टीमों का गठन किया है, और आगे की जांच जारी है, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सतीश जाधव ने कहा। ज्वैलर्स में एक व्यक्ति पर धारदार हथियार से हमला कर घायल करने के बाद पुलिस हर पहलू से जाँच कर रही है।

पुलिस ने 4 करोड़ रुपये की चोरी और गुम हुई वस्तुएं मूल मालिकों को लौटाई

अपर पुलिस आयुक्त शशिकुमार मीना व उपायुक्त महेश चिमटे के नेतृत्व में पुलिस का शानदार प्रदर्शन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। सोमवार को परिमंडल 8 के 7 पुलिस थानों के अधिकारियों ने 1 करोड़ 66 लाख रुपये की चोरी और गुम हुई वस्तुएं 237 मूल मालिकों को लौटा दी थीं। और अब पुलिस परिमंडल 12 के पुलिस थानों ने 3 करोड़ 87 लाख रुपये की चोरी और गुम हुई वस्तुएं उनके मूल मालिकों को लौटा दी हैं। इसमें 225 तोला सोना, 2 बसें, 7 रिक्शा, 13 बाइक, 4 लैपटॉप, 689 मोबाइल फोन आदि शामिल हैं। परिमंडल 12 के अंतर्गत विभिन्न पुलिस थानों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने नागरिकों की चोरी और गुम हुई वस्तुएं लौटाई हैं। भले ही इन वस्तुओं के वापस आने की कोई गारंटी नहीं थी, फिर भी पुलिस ने अथक प्रयासों से इन वस्तुओं को वापस किया है। अपर पुलिस आयुक्त शशि कुमार मीणा और पुलिस उपायुक्त महेश चिमटे ने संबंधित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के उल्लेखनीय कार्य की प्रशंसा की। परिमंडल 12 के दहिसर, कस्तूरबा मार्ग, समतानगर, कुरार, दिंडोशी, वनराई और आरे पुलिस थानों में पुलिस को ऐसी कई शिकायतें मिली थीं। पुलिस ने इन्हें गंभीरता से लिया है और संबंधित अपराधों में आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन अपराधों को सुलझाया है और कार्रवाई की है। सभी पुलिस थानों के अधिकारियों और कर्मचारियों की एक विशेष टीम बनाई गई थी। इस बीच, विभिन्न पुलिस थानों की इस टीम ने विभिन्न अपराधों में आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनसे चोरी की गई संपत्ति जब्त कर उसे वितरित किया। चोरी और गुम हुई संपत्ति वापस करने के लिए पुलिस द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर, चोरी और गुम हुई संपत्ति को मूल मालिकों को वापस कर दिया गया। इसमें 3 करोड़ 87 लाख 66 हजार 607 रुपये की संपत्ति शामिल है, यह संपत्ति उसके मूल मालिकों को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शशिकुमार मीणा, पुलिस उपायुक्त महेश चिमटे द्वारा दी गई। इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त मालोजी शिंदे, कैलास बर्वे, विजय भिसे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, स्थानीय पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। परिमंडल 12 के सभी थानों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए इस संपत्ति को जब्त किया, जिसके लिए इन पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की उनके वरिष्ठों द्वारा प्रशंसा की गई।

बेलापुर संभाग में अनाधिकृत निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम के अतिक्रमण विभाग द्वारा जारी नोटिस के बावजूद संबंधितों द्वारा नोटिस का संज्ञान न लेने के परिणामस्वरूप, माननीय अतिरिक्त जिला न्यायालय के दिनांक 03.09.2025 के आदेशानुसार, माननीय आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देशानुसार, अपर आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेठे एवं उपायुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलास गायकवाड़ के मार्गदर्शन में, नवी मुंबई नगर निगम विभाग के माध्यम से अतिक्रमण विभाग ने बेलापुर संभाग में बेदखली की कार्रवाई की।

इस विभाग के बेलापुर कार्यालय के माध्यम से आयशा अपार्टमेंट, प्लॉट संख्या Y-1A, सेक्टर-19, शाहबाज बेलापुर, नवी मुंबई में अनाधिकृत निर्माण के विरुद्ध एमआरटीपी धारा 53 (1 ए)

के अंतर्गत एक नोटिस जारी किया गया था। तदनुसार, संबंधितों को अनाधिकृत निर्माण स्वयं हटाने के लिए कहा गया था। लेकिन उन्होंने अनाधिकृत निर्माण में आवासीय और गैर-आवासीय उपयोग जारी रखा। दिनांक 24/04/2025 को भवन के संबंध में संबंधितों को पत्र द्वारा सूचित किया गया। दिनांक 14/10/2025 को लाउडस्पीकर के माध्यम से उक्त भवन को आवासीय/गैर आवासीय होने से रोकने के निर्देश दिए गए तथा दिनांक 15/10/2025 को उक्त भवन को बेदखल करने की कार्रवाई प्रारंभ की गई।

इस विभाग के बेलापुर कार्यालय द्वारा उक्त अनाधिकृत निर्माण पर ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया तथा उक्त अनाधिकृत निर्माण पर बेदखली की कार्रवाई की गई। इस ध्वस्तीकरण अभियान में षष्ठम आयुक्त एवं प्रभागीय अधिकारी डॉ. अमोल पालवे, षष्ठम अभियंता श्री आत्माराम काले एवं विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। इस अभियान में मजदूर-25, हथौड़ा-06, गैस कटर-02, उत्खनन-01, जेसीबी-01 आदि मानवशक्ति एवं उपकरणों का उपयोग किया गया। साथ ही, एन.आर.आई. सीवुड पुलिस स्टेशन के अधिकारी/कर्मचारी तथा अतिक्रमण विभाग के पुलिस अधिकारी/कर्मचारी तथा सुरक्षा गार्ड उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे वलसाड एवं हिसार के बीच चलाएगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से वलसाड एवं हिसार स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 04728/04727 वलसाड-हिसार साप्ताहिक स्पेशल (08 फेरे)

ट्रेन संख्या 04728 वलसाड-हिसार स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को वलसाड से 14:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:05 बजे हिसार पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 अक्टूबर से 06 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04727 हिसार-वलसाड स्पेशल प्रत्येक बुधवार को हिसार से 12:05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.30 बजे वलसाड पहुँचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 05 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नवसारी, सूरत, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, फुलेरा, रींगस, नीम का थाना, नारनौल, रेवाड़ी, चरखी दादरी, भिवानी और हांसी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04728 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सीएम फडणवीस के सामने नक्सली कमांडर सोनू ने डाले हथियार, गढ़चिरौली में 60 नक्सलियों के साथ सरेंडर

गढ़चिरौली। देश में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। इस बीच महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पहली बार सबसे बड़ा नक्सली आत्मसमर्पण हुआ है। वरिष्ठ नक्सली नेता मल्लोजुला वेणुगोपाल उर्फ भूपति ने अपने 60 अन्य नक्सली साथियों के साथ महाराष्ट्र मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने हथियार डाले हैं। बुधवार (15 अक्टूबर) गढ़चिरौली शहीद पांडु आलम हॉल, पुलिस मुख्यालय में आत्मसमर्पण समारोह आयोजित किया। जिसमें मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सभी नक्सलियों का मुख्यधारा में लौटने के लिए स्वागत किया।

रिपोर्ट्स के मुताबिक नक्सली कमांडर मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति ने शर्त रखी कि वह मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आत्मसमर्पण करेंगे। जिसके बाद गढ़चिरौली पुलिस मुख्यालय में सीएम फडणवीस की मौजूदगी में नक्सली लीडर और भाकपा-माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल राव ने हथियार डाले। एक अधिकारी ने बताया कि भूपति पर 6 करोड़ रुपए का इनाम था। जानकारी के मुताबिक नक्सलियों ने अपने 54 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया, जिनमें सात

एके-47 और नौ इंसास राइफलें शामिल हैं।

गढ़चिरौली पुलिस को 1 करोड़ रुपए के इनाम देने की घोषणा

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'आज नक्सल कमांडर मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति ने 60 नक्सलियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया है। भूपति नक्सलियों की भर्ती, रणनीति और हमले का काम करते थे। पिछले एक महीने से हमारी पुलिस उससे मुख्यधारा में लौटने के लिए बात कर रही थी। उसे यह भी बताया गया था कि हमारे नक्सल विरोधी अभियान नहीं रुकेंगे और उसे आत्मसमर्पण करने का विकल्प दिया गया था। आज महाराष्ट्र में नक्सलवाद की कमर टूट गई है। इसके बाद छत्तीसगढ़ के नक्सली आत्मसमर्पण करने की कोशिश करेंगे। इस उपलब्धि पर हमने गढ़चिरौली पुलिस को 1 करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।' उन्होंने आगे कहा कि हम सभी, चाहे वह महाराष्ट्र हो, छत्तीसगढ़ हो या तेलंगाना नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हैं। हम एक-दूसरे के साथ समन्वय में काम करते हैं।'

नक्सली टॉप कमांडर मल्लोजुला वेणुगोपाल उर्फ भूपति पर करोड़ों का ईनाम घोषित था। जिनको माओवादी संगठन के सबसे प्रभावशाली रणनीतिकारों में से एक माना जाता था और वह लंबे समय से महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा पर प्लाटून अभियानों की निगरानी करते थे। उनके सरेंडर के बाद अबूझमाड़ में नक्सलियों की कमर टूट गई है।

बता दें कि सोमवार देर रात (13 अक्टूबर) भाकपा-माओवादी के पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया था। जो कि यह भाकपा-माओवादी के लिए एक बड़ा झटका था। आत्मसमर्पण करने वालों में भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति का एक सदस्य और एक संभागीय समिति के 10 सदस्य शामिल थे।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण
-सार्वजनिक सूचना-

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं परिरक्षण अधिनियम, 1975 (24 जून 2021 तक संशोधित) की धारा 8 (3) (सी) के प्रावधानों के अनुसार, 'आर/उत्तर' वार्ड से 01 प्रस्ताव, 'आर/मध्य' वार्ड से 02 प्रस्ताव और 'आर/दक्षिण' वार्ड से 01 प्रस्ताव, अर्थात् ज़ोन VII में वृक्षों को हटाने के लिए कुल 04 प्रस्तावों को नगर आयुक्त, अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण, एमसीजीएम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा (8) की उपधारा (6) के अंतर्गत अनुमोदित किया जाता है।

उपर्युक्त प्रस्तावों में कटाई/रोपण हेतु वृक्षों की जानकारी सुरू की वेबसाइट www.mcgm.gov.in पर उपलब्ध है। हमारे बारे में: वार्ड/विभाग - विभागीय नियमावली - उद्यान एवं वृक्ष प्राधिकरण- WS300-R/उत्तर, WS301-R/मध्य, WS302-R/मध्य और WS303-R/दक्षिण।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
वृक्ष प्राधिकरण के उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
पेंग्विन बिल्डिंग, दूसरी मंजिल
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान
डॉ. अंबेडकर रोड, भायखला (पूर्व),
मुंबई-400027
दूरभाष संख्याः 23742162, ईमेलः sg.gardens@mcgm.gov.in

पीआरओ/1925/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा सोलापुर-मुंबई उड़ान सेवा का उद्घाटन

सोलापुर-मुंबई हवाई सेवा से औद्योगिक विकास को गति मिलेगी- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सोलापुर। नई शुरू की गई सोलापुर-मुंबई उड़ान सेवा सोलापुर क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगी, पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देगी और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी। आने वाले समय में सोलापुर में रात्रिकालीन लैंडिंग सुविधाएँ और बोइंग उड़ान सेवाएँ शुरू करने के प्रयास किए जाएँगे, जिसके लिए नागरिकों को सहयोग करना चाहिए, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा। वे सोलापुर-मुंबई उड़ान सेवा के शुभारंभ के अवसर पर बोल रहे थे।

कार्यक्रम में केंद्रीय विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री और जिले के पालक मंत्री जयकुमार गोरे, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, पूर्व मंत्री विधायक सुभाष देशमुख, विधायक विजयराव देशमुख, सचिन कल्याणशेट्टी, देवेंद्र कोठे, पूर्व सांसद जयसिद्धेश्वर स्वामी, पूर्व विधायक नरसिंह मेंगजी, जिला कलेक्टर कुमार आशीर्वाद, कोल्हापुर रेंज आईजी सुनील फुलारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुलदीप जंगम, नगर आयुक्त सचिन ओमबासे, शहर के पुलिस आयुक्त एम. राजकुमार, पुलिस अधीक्षक अतुल कुलकर्णी, स्टार एयर के संजय घोड़ावत, हवाई अड्डा प्राधिकरण की सहायक प्रबंधक अंजनी कुमारी आदि उपस्थित थे।

सोलापुर के लिए यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन बताते हुए, मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, शहर के विकास, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास के लिए हवाई सेवा महत्वपूर्ण है। उद्यमी हवाई सेवा की उपलब्धता को देखकर निवेश करने का निर्णय लेते हैं। विश्व बाजार से जुड़ने के लिए हवाई सेवा का होना महत्वपूर्ण है। सोलापुर में हवाई अड्डा होने के बावजूद हवाई सेवा शुरू नहीं हुई थी। चूँकि सोलापुर क्षेत्र में कोई हवाई अड्डा नहीं है, इसलिए पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस जिले में हवाई सेवा शुरू करने के प्रयास किए गए और हवाई अड्डे का जीर्णोद्धार किया गया। हवाई सेवा के महत्व को ध्यान में रखते हुए, केंद्र सरकार ने 'आरसीएस' जैसी योजना शुरू की। राज्य सरकार इस योजना के तहत सोलापुर के लिए हवाई सेवा की कमी को पूरा करने के लिए सहमत हुई। राज्य सरकार द्वारा 'आरसीएस' के माध्यम से गैप फंडिंग के रूप में 18 करोड़ रुपये की राशि प्रदान करने के निर्णय के बाद यह हवाई सेवा शुरू हो रही है। सोलापुर हवाई अड्डे के चालू होने के साथ ही, सोलापुर में जल्द ही एक आईटी पार्क स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने भी विश्वास व्यक्त किया कि इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

राज्य सरकार सोलापुर शहर के विकास के लिए प्रयासरत है और उसने जल वितरण चैनल के लिए 1,000 करोड़ रुपये की निधि प्रदान करने का निर्णय लिया है। इससे शहर को प्रतिदिन स्वच्छ जल की आपूर्ति होगी। सोलापुर दक्षिण भारत का प्रवेश द्वार है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पंढरपुर, तुलजापुर और सोलापुर के धार्मिक स्थलों के मुंबई से हवाई सेवा से जुड़ने से श्रद्धालुओं की संख्या तीन गुना बढ़ जाएगी और रोज़गार भी बढ़ेगा।

जिले में नए पुलिस स्टेशन भवन बनाए जा रहे हैं। पुलिस आवास के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति में बेहतर काम के लिए सोलापुर के पालक मंत्री धरशिव जयकुमार गोरे, ज़िला कलेक्टर कुमार आशीर्वाद और ज़िला प्रशासन की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह भी कहा कि राज्य सरकार संकट की घड़ी में किसानों के साथ खड़ी है और महाराष्ट्र के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा 32 हज़ार करोड़ रुपये का पैकेज किसानों को दिया गया है और यह मदद जल्द ही किसानों तक पहुँच जाएगी।

केंद्रीय राज्य मंत्री मोहोल ने कहा कि सोलापुर-मुंबई उड़ान सेवा की नागरिकों की मांग पूरी हो रही है। यह सोलापुर के लोगों के लिए दिवाली का तोहफ़ा है। सोलापुर राज्य के दक्षिण-पश्चिम में एक महत्वपूर्ण ज़िला है। इस ज़िले को देवभूमि के नाम से जाना जाता है। यह ज़िला अपने कपड़ा उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। सोलापुर को देश की आर्थिक राजधानी से हवाई सेवा के ज़रिए जोड़ने से औद्योगिक और कृषि विकास को बढ़ावा मिलेगा और रोज़गार के अवसर उपलब्ध होंगे। 'उड़ान' योजना के तहत 65 करोड़ रुपये की लागत से एक हवाई अड्डा टर्मिनल भवन का निर्माण किया गया है। राज्य सरकार द्वारा सोलापुर-मुंबई हवाई सेवा के वित्तीय घाटे की भरपाई की गारंटी लेने के बाद यह हवाई सेवा शुरू की जा रही है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि हैदराबाद और तिरुपति जैसे शहरों को जोड़ने वाली हवाई सेवाएँ निकट भविष्य में शुरू की जाएँगी। मोहोल ने यह भी कहा कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में महाराष्ट्र में सबसे ज़्यादा चालू हवाई अड्डे हैं और राज्य में हवाई सेवाओं के विस्तार के लिए आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पालघर में देश का पहला समुद्री हवाई अड्डा स्थापित करने के प्रयास चल रहे हैं।

जल आपूर्ति योजना में कार्य की ज़िम्मेदारी निर्धारित करें- जल आपूर्ति मंत्री गुलाबराव पाटिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। जल आपूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल ने निर्देश दिए हैं कि जल आपूर्ति योजना के कार्य को और अधिक प्रभावी ढंग से करने के लिए जनशक्ति बढ़ाई जाए और प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी की ज़िम्मेदारी निर्धारित की जाए।

मंत्रालय में पिपरी (मेघे) और वर्धा तालुका के 13 गाँवों की क्षेत्रीय जल आपूर्ति के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में गृह राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर, प्रमुख सचिव संजय खंडारे, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के सदस्य सचिव रंगा नाइक, जल जीवन मिशन के प्रबंध निदेशक ई. रवींद्रन, संयुक्त सचिव डॉ. बी. जी. पवार, मुख्य अभियंता प्रशांत भामरे सहित वर्धा जिले के संबंधित अधिकारी और पिंपरी (मेघे) तथा अन्य गाँवों के सरपंच एवं उपसरपंच उपस्थित थे।

जलदाय मंत्री गुलाबराव पाटिल ने कहा कि इस ग्रामीण क्षेत्र के लिए जलदाय योजनाएँ महत्वपूर्ण हैं और योजना का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ, स्वास्थ्यकर और नियमित जल पहुँचाना है। नई पाइपलाइनें बिछाते समय, स्थानीय नागरिकों और ग्राम पंचायतों के विश्वास के साथ कार्य किया जाना चाहिए। योजना के सभी घटक समय पर पूरे होने चाहिए और नागरिकों को जल मिलना चाहिए।

इस दौरान, क्षेत्रीय जलदाय योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। योजना में देरी के कारणों, ठेकेदारों के सामने आने वाली कठिनाइयों, तकनीकी मुद्दों और धन आवंटन पर चर्चा की गई। हर स्तर पर समन्वय बनाए रखते हुए कार्य में तेजी लाई जानी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में जलदाय लोगों के जीवन से जुड़ा विषय है। इसलिए, प्रत्येक अधिकारी को न केवल प्रशासनिक दृष्टिकोण से, बल्कि जनसेवा की भावना से भी इस कार्य को अंजाम देना चाहिए, जलदाय मंत्री पाटिल ने कहा।

पत्रकारों को कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के संबंध में समिति अध्ययन कर प्रस्ताव प्रस्तुत करे- चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई,।राज्य में पत्रकारों को कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए एक समिति गठित की जाए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने इस समिति को महात्मा फुले जन आरोग्य योजना, केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार की योजनाओं का अध्ययन कर विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश अबितकर ने पत्रकारों के लिए वर्ष में दो बार विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। पत्रकारों की स्वास्थ्य समस्याओं के संबंध में चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ की अध्यक्षता में मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई। वे इस अवसर पर बोल रहे थे।

बैठक में लोक स्वास्थ्य विभाग के सचिव निपुण विनायक, चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव धीरज कुमार, स्वास्थ्य सेवा आयुक्त कादंबरी बलकवड़े, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त डॉ. अनिल भंडारी, सूचना एवं जनसंपर्क निदेशक किशोर गंगुर्डे, मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता निधि प्रकोष्ठ प्रमुख रामेश्वर नाईक, राज्य मान्यता समिति के अध्यक्ष यदु जोशी, मंत्रालय एवं विधायी संवाददाता संघ के अध्यक्ष दिलीप सपाटे, मराठी प्रेस परिषद की न्यासी किरण नाईक, मुंबई संभागीय मान्यता समिति के अध्यक्ष दीपक कैताके, राज्य मान्यता समिति के सदस्य विनोद जगदाले, नेहा पूरव, संजय मालमे, संजय पितले, जयेश सामंत उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश में पत्रकारों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य सेवा योजना का अध्ययन करने के लिए एक समिति गठित करने की बात कहते हुए, चिकित्सा शिक्षा मंत्री मुश्रीफ ने कहा कि यह समिति राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं और केंद्र की स्वास्थ्य योजनाओं का भी अध्ययन करे और एक विस्तृत और व्यापक प्रस्ताव तैयार करे। इसमें 'सीएसआर' पर भी विचार किया जाना चाहिए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री मुश्रीफ ने यह भी कहा कि बड़े शहरों में पत्रकारों को कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं कैसे उपलब्ध कराई जा सकती हैं, इस पर भी विचार किया जाना चाहिए।

किसानों के लिए जैविक प्रमाणपत्रों का निरीक्षण किया जाएगा- कृषि मंत्री दत्तात्रेय भराणे

अनियमितताएँ पाए जाने पर प्रमाणन निकायों की रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाएगी किसानों के लिए धोखाधड़ी से बचने के दिशानिर्देश

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य सरकार राज्य में जैविक प्रमाणित और प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए मार्गदर्शन कर रही है। कृषि मंत्री दत्तात्रेय भराणे ने कहा कि केंद्र सरकार की प्रमाणन निकायों द्वारा राज्य में किसानों को जारी किए गए जैविक प्रमाणपत्रों का निरीक्षण किया जाएगा और यदि इस निरीक्षण में कोई अनियमितता पाई जाती है, तो ऐसी निकायों की रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाएगी।

कृषि मंत्री दत्तात्रेय भराणे की अध्यक्षता में मंत्रालय में जैविक प्रमाणन निकायों के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व विधायक विजय भांबले, पूर्व विधायक राहुल मोटे, 'आत्मा' के निदेशक सुनील बोरकर, उप सचिव संतोष कराड, ग्रीनसर्ट बायोसॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड ने टेलीविजन के माध्यम से भाग लिया। इस अवसर पर पुणे के प्रतिनिधि सुनील केसरे, ब्यूरो वेरिटास प्राइवेट लिमिटेड की सुचिता यादव, वनसर्ट इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड जयपुर के आशीष दलवी उपस्थित थे।

कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने कहा कि राज्य में जैविक प्रमाणित एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के साथ धोखाधड़ी रोकने के लिए कृषि विभाग उस संस्था की जाँच करेगा जिसके द्वारा उत्पाद प्रमाणित किया गया है और प्रमाणन प्रमाण पत्र एवं नियमों की जानकारी प्रदान करेगा। मंत्री श्री भरणे ने संस्था द्वारा वितरित प्रमाण पत्र पर अन्य किसानों के अजैविक उत्पाद बेचकर किसानों के साथ धोखाधड़ी रोकने के लिए प्रमाण पत्रों की जाँच करने के भी निर्देश दिए।

कृषि मंत्री भरणे ने कहा कि यद्यपि राज्य में जैविक प्रमाणित एवं प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के साथ धोखाधड़ी रोकने के लिए किसानों के उत्पादों का प्रमाणीकरण करने वाली संस्थाएँ केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में हैं, फिर भी राज्य सरकार इस संबंध में उचित निरीक्षण करेगी और इस संबंध में दोषी पाए जाने वाले संगठनों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हेतु केंद्र सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। कभी-कभी, राज्य के किसान कानून का उपयोग करते हुए संबंधित संस्था के विरुद्ध शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। मंत्री भरणे ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य में किसानों के हितों के विरुद्ध कोई भी कार्य, यदि ऐसा कोई संगठन करता है, तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पूर्व विधायक विजय भाम्बले और पूर्व विधायक राहुल मोटे ने इस मुद्दे पर राज्य के किसानों की समस्याओं के बारे में जानकारी दी।

बाल कलाकारों की रचनात्मकता और रंगों से झलकती भारत के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर- मंत्री जयकुमार रावल

'विकसित भारत 2047' की अवधारणा पर दो हज़ार बाल कलाकारों की रचनात्मक अभिव्यक्ति

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। 'सेवा पर्व' पहल के अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनी में बाल कलाकारों की रचनात्मकता ने दर्शकों को प्रभावित किया है। विपणन एवं प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल ने कहा कि रचनात्मकता और रंगों के माध्यम से उन्होंने भारत के उज्ज्वल भविष्य की तस्वीर उकेरी है और देश की प्रगति का जो उत्साहवर्धक संदेश दिया है, वह प्रेरणादायक है।

राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (एनजीएमए) द्वारा 'विकसित भारत 2047' विषय पर एक चित्रकला कार्यशाला और प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह मंत्री जयकुमार रावल की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जो इस अवसर पर बोल रहे थे। एनजीएमए निदेशक निधि चौधरी और किशोर झुनझुनवाला सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्ति, शिक्षक, पेशेवर कलाकार, कॉलेज के छात्र और स्कूली छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मंत्री जयकुमार रावल ने कहा कि यह

कार्यक्रम कला के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन को गति देने और 'रचनात्मकता से सेवा' का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण से प्रेरणा लेते हुए, मंत्री रावल ने यह भी कहा कि यदि देश का प्रत्येक नागरिक सेवा, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की भावना से कार्य करे, तो भारत एक बार फिर 'विश्व गुरु' के रूप में स्थापित होगा।

प्रस्तावना में, राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय की निदेशक निधि चौधरी ने एनजीएमए की गतिविधियों के माध्यम से समाज और राष्ट्रीय विकास में कला की भूमिका के बारे में जानकारी दी।

'सेवा पर्व 2025' भारत सरकार की एक राष्ट्रव्यापी सांस्कृतिक पहल है, जो 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक मनाया गया। 30 सितंबर 2025 को गेटवे ऑफ इंडिया पर 'सेवा पर्व 2025 - एक विकसित भारत के रंग, कला के साथ' विषय पर एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित इस पहल में मुंबई के विभिन्न स्कूलों के 2000 से अधिक बाल कलाकारों ने भाग लिया।

इस अवसर पर, पेशेवर कलाकारों, कॉलेज के छात्रों, स्कूली छात्रों और प्रोत्साहन पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। स्कूली छात्रों में, 10,000/- रुपये का प्रथम पुरस्कार प्रियंका गोविंद चव्हाण एम.पी.एस. कोलाबा स्कूल, द्वितीय पुरस्कार रुकैया रियाज़ शेख एम.पी.एस. उर्दू स्कूल ताड़देव, तृतीय पुरस्कार एम.पी.एस. इंग्लिश स्कूल कोलाबा, शिफा नसीरुद्दीन खान और प्रोत्साहन पुरस्कार सृष्टि तुकाराम डिंगल, अज़मत हुसैन मुर्शीद शेख गिल्डरलेन और आशा मनोहर जाधव को दिया गया।

कॉलेज छात्र वर्ग में, 10,000/- रुपये का प्रथम पुरस्कार शुभम राउत को 25,000/-, द्वितीय पुरस्कार सौम्य रंजन मोहराणा को, तृतीय पुरस्कार सिया बाफना को और चतुर्थ पुरस्कार मनीष चंद्रशेखर पाटोडे को प्रदान किया गया। साथ ही, कलाकारों की प्रतियोगिता के विजेता को 50,000/- रुपये का पुरस्कार दिया गया। प्रथम पुरस्कार राजेंद्र कुंभार, द्वितीय पुरस्कार हर्षद एम. गोंडल, तृतीय अमोल मनोहर पवार और चतुर्थ पुरस्कार पुरेंद्रकुमार देवगिरकर को प्रदान किया गया।

छोटे भाई के स्टेम सेल दान से बड़े भाई की जान बची- मुख्यमंत्री राहत कोष से 25 लाख रुपये की सहायता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। अकोला का एक 16 वर्षीय लड़का ल्यूकेमिया से पीड़ित था और उसे अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण की आवश्यकता थी। लेकिन परिवार इलाज का खर्च वहन नहीं कर सकता था। इस संकट के समय, एक 12 वर्षीय छोटे भाई ने स्टेम सेल दान करके अपने बड़े भाई की जान बचाई। मुख्यमंत्री राहत कोष प्रकोष्ठ ने आर्थिक सहायता प्रदान करने की पहल की, जिससे यह इलाज संभव हो सका।

जीवन (बदला हुआ नाम) एक 16 वर्षीय लड़का है जो अपने माता-पिता और 12 वर्षीय छोटे भाई के साथ अकोला में रहता है। उसके पिता मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। जीवन कई महीनों से बीमार चल रहा था। शुरुआत में, स्थानीय अस्पताल में इलाज के बावजूद उसकी सेहत में सुधार नहीं हुआ, इसलिए उसे आगे की जाँच के लिए एक बड़े निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहाँ, रक्त परीक्षण के माध्यम से जीवन को ल्यूकेमिया होने का पता चला। चिकित्सा अधिकारियों ने इलाज के लिए अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण की सलाह दी। साथ ही, इलाज का खर्च लगभग 25 से 30 लाख रुपये आंका गया था। ऐसे में, डॉक्टर ने 'मुख्यमंत्री राहत कोष' के माध्यम से आर्थिक सहायता लेने की सलाह दी थी।

जीवन के माता-पिता तुरंत मुंबई पहुँचे। वे मुख्यमंत्री राहत कोष और चैरिटी अस्पताल के राहत कक्ष में पहुँचे और कक्ष प्रमुख रामेश्वर नाइक से संपर्क किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशानुसार रामेश्वर नाइक ने तुरंत कार्रवाई की। वहाँ से, जीवन का इलाज मुंबई के जसलोक अस्पताल में शुरू हुआ।

मुख्यमंत्री राहत कोष की पहल, टाटा ट्रस्ट के बड़े योगदान और कुछ सामाजिक संगठनों के सहयोग से कुल 25 लाख रुपये जुटाए गए। 4 सितंबर, 2025 को जीवन के 12 वर्षीय छोटे भाई ने अस्थि मज्जा (स्टेम सेल) दान किया और फिर जसलोक अस्पताल में जीवन का सफल अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण किया गया।

जीवन की तरह, संवेदनशील मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशों के अनुसार कई गरीब और ज़रूरतमंद मरीज़ों का इलाज किया जा रहा है। गंभीर बीमारी की स्थिति में, किसी को भी निराश नहीं होना चाहिए और मुख्यमंत्री राहत कोष प्रकोष्ठ से संपर्क करना चाहिए। इसके लिए नागरिकों को 1800 123 2211 नंबर पर संपर्क करना चाहिए, ऐसा मुख्यमंत्री राहत कोष और धर्मार्थ अस्पताल राहत प्रकोष्ठ के प्रमुख रामेश्वर नाइक ने बताया।

मंदनगढ़ औद्योगिक क्षेत्र के लिए स्थल सर्वेक्षण करें- राज्य मंत्री योगेश कदम

मुंबई। रत्नागिरी जिले के मंदनगढ़ क्षेत्र के औद्योगिक विकास के लिए 'एमआईडीसी' का निर्माण आवश्यक है। इस क्षेत्र में उद्योग आने के लिए तैयार हैं। इसलिए, राजमार्ग के किनारे की भूमि की पहचान कर उसका सर्वेक्षण किया जाना चाहिए, गृह राज्य मंत्री (शहरी) योगेश कदम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित एक बैठक में कहा।

बैठक में एमआईडीसी के संयुक्त आयुक्त कुणाल खेमनार, रत्नागिरी के जिला कलेक्टर मनोज जिंदल, क्षेत्रीय अधिकारी वंदना खरमारे, उद्योग विभाग के संयुक्त सचिव श्रीकांत पुलकुंडवार और अवर सचिव किरण जाधव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा, मंदनगढ़ 'एमआईडीसी' के लिए समतल भूमि की आवश्यकता है। इस भूमि की तलाश की जानी चाहिए। साथ ही, अतिरिक्त 150 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया जाना चाहिए। यदि अंबावड़े गाँव के राजमार्ग पर भूमि है, तो उसका अधिग्रहण किया जाना चाहिए। भूमि का 'नियंत्रण सर्वेक्षण' किया जाना चाहिए। संबंधित एजेंसियों को स्थल का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी चाहिए।

यदि मंडनगढ़ क्षेत्र में एमआईडीसी स्थापित किया जाता है, तो इस क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मिलेगा। इस क्षेत्र में उद्योगों के लिए जनशक्ति उपलब्ध है।

बाल विवाह रोकने के लिए व्यक्तिगत जागरूकता का विशेष अभियान चलाया जाए- मंत्री अदिति तटकरे

मुंबई। बाल विवाह रोकने के लिए राज्य भर में ठोस और प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। हालाँकि, कुछ दूरस्थ और आदिवासी इलाकों में पारंपरिक रीति-रिवाजों के कारण बाल विवाह की घटनाएँ अभी भी सामने आ रही हैं। इस पृष्ठभूमि में, महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने महाराष्ट्र को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर जागरूकता और जन-जागरण का विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। वे 11 अक्टूबर, 2025 (अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस) से 26 जनवरी, 2026 (गणतंत्र दिवस) तक चलाए जाने वाले 'बाल विवाह मुक्त महाराष्ट्र के लिए 100 दिन' अभियान की समीक्षा बैठक में बोल रही थीं। बैठक में आयुक्त नयना गुंडे, रायगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक आंचल दलाल, रायगढ़ जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नेहा भोसले, उप सचिव आनंद भोंडवे, अवर सचिव प्रसाद कुलकर्णी, संयुक्त आयुक्त राहुल मोरे, रायगढ़ जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीकांत हवले, सुजाता सकपाल, सभी संभागीय उपायुक्त और संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि जिला परिषद और माध्यमिक विद्यालयों में लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर को कम करने और यौन शिक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए संभाग स्तर पर विशेष गतिविधियाँ लागू की जानी चाहिए। तीन महीने से अधिक समय तक स्कूल से अनुपस्थित रहने वाली लड़कियों की जाँच की जानी चाहिए और कारणों का पता लगाया जाना चाहिए। आशा कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व्यक्तिगत रूप से ऐसी लड़कियों के परिवारों से मिलें और उन्हें परामर्श प्रदान करें। साथ ही, आदिवासी क्षेत्रों में पारंपरिक रूप से प्रचलित नाबालिग विवाहों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जाना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि रायगढ़ जिले के अलीबाग, कर्जत, पेन, सुधागढ़, मुरुड, रोहा, पनवेल, खालापुर और मानगांव तालुकाओं के साथ-साथ आदिवासी बहुल और दूरदराज के इलाकों में जागरूकता कार्यक्रम प्राथमिकता के आधार पर चलाए जाएँ। इस अभियान के लिए एक जिला स्तरीय टीम गठित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसमें जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, बाल विवाह संरक्षण अधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ता शामिल हों। मंत्री अदिति तटकरे ने यह भी निर्देश दिया कि 'आदिशक्ति अभियान' के अंतर्गत कार्यरत ग्राम, तालुका, संभाग और राज्य स्तरीय समितियाँ भी इस जागरूकता अभियान में भाग लें।

लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर को रोकने, बाल विवाह को रोकने और यौन शिक्षा प्रदान करने के लिए स्कूल शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों के समन्वय से एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। मंत्री तटकरे ने यह भी स्पष्ट किया कि अस्पतालों में आने वाली नाबालिग गर्भवती माताओं के लिए आधार कार्ड अनिवार्य किया जाना आवश्यक है।

रायगढ़ ज़िले में पिछले पाँच वर्षों में 31 बाल विवाह रोके गए हैं और अक्षय तृतीया जैसे पारंपरिक दिन पर चार बाल विवाह रोकने में विभाग सफल रहा। ज़िला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीकांत हवाले ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से 96 स्कूलों में जागरूकता फैलाई गई है और बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय द्वारा आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायक बाल विवाह रोकथाम अधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया है।

'बाल विवाह मुक्त महाराष्ट्र के लिए 100 दिन' अभियान के अंतर्गत राज्य स्तरीय शपथ ग्रहण समारोह, ज़िला स्तरीय बैठकें, क्षमता निर्माण, समुदाय स्तर पर जागरूकता, शैक्षिक और युवा भागीदारी, निगरानी और गौरव गतिविधियाँ, और हेल्पलाइन जागरूकता लागू की जाएगी। इससे संस्थागत प्रतिक्रिया तंत्र मज़बूत होगा और समाज में सक्रिय भागीदारी बढ़ेगी, लड़कियों को शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में अधिक अवसर मिलेंगे और उनका सशक्तिकरण होगा।

सम्पादकीय

लंबे युद्ध के बाद शांति की राह पर लौटे इजरायल और हमास 19 सौ से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों की हुई रिहाई

इजराइल और हमास के बीच दो वर्षों से चल रहे युद्ध पर फिलहाल विराम लग गया है। दोनों पक्ष शांति की राह पर लौट आए हैं। अमेरिका की ओर से तैयार की गई समझौता योजना के प्रथम चरण में हमास ने बीस बंधकों को रिहा कर दिया है और बदले में इजराइल ने उन्नीस सौ से ज्यादा फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। इसके साथ ही अब तक बारूदी आग की तपिश झेल रहे गाजा के नागरिकों ने भी राहत की सांस ली है। भारत और ब्रिटेन सहित कई देशों ने अमेरिका की इस पहल का स्वागत किया है।

वैश्विक नेताओं को उम्मीद है कि शांति समझौता अपने अंजाम तक पहुंच जाएगा, लेकिन इस प्रक्रिया में अभी कई अड़चनें साफ नजर आ रही हैं। हमास के निरस्त्रीकरण, गाजा के शासन और फिलिस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता देने जैसे जटिल मुद्दे अब भी अनसुलझे हैं। ऐसे में इस पूरी कवायद को फिलहाल सिर्फ युद्ध रोकने के अस्थायी उपाय के तौर पर भी देखा जा रहा है।

शांति समझौते के अगले चरण कितने सफल रहेंगे, यह इस बात पर भी निर्भर करेगा कि प्रस्ताव में रखी गई अन्य शर्तों पर हमास किस तरह का रुख अपनाता है। क्या हमास गाजा का नियंत्रण किसी बाहरी ताकत के हाथों में सौंपने के लिए राजी होगा? जैसा कि शांति प्रस्ताव में कहा गया है। दूसरी तरफ गाजा से अपनी सेना पूरी तरह हटाने को लेकर इजराइल की ओर से भी अभी तक आधिकारिक तौर पर कोई हामी नहीं भरी गई है। इस स्थिति में शांति समझौते के सिरे चढ़ने को लेकर अभी निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता।

हालांकि, वैश्विक नेताओं का मानना है कि समझौते को लागू करने की शुरूआत अच्छी हुई और यह सकारात्मक दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि इस समझौते ने युद्ध को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है और इसने पश्चिम एशिया में स्थायी शांति के द्वार खोल दिए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह समझौता पूरी तरह लागू होगा। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि भारत इस क्षेत्र में शांति के ईमानदार प्रयासों का समर्थन करता है।

इजराइल की ओर से युद्ध रोकने और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई से गाजा में खुशी का माहौल तो है, लेकिन वहां की स्थिति अब भी दयनीय है। कई इलाके मलबे में तब्दील हो चुके हैं, अर्थव्यवस्था बर्बाद है और पुनर्निर्माण में वर्षों लग सकते हैं। इस युद्ध की शुरूआत सात अक्तूबर, 2023 को हमास के हमले से हुई थी, जिसमें एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे और कई नागरिकों को बंधक बना लिया गया था। इजराइल की जवाबी कार्रवाई में अब तक 67 हजार से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

गाजा में आज भी लोग भोजन-पानी से लेकर स्वास्थ्य सहायता तक की बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। ऐसे में युद्ध विराम निश्चित तौर पर वहां के लोगों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। इससे गाजा में बाहरी मदद भेजने का रास्ता भी खुलेगा, जिसकी अभी नितांत जरूरत है। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि इजराइल और हमास शांति की राह पर आगे बढ़ेंगे और गाजा के नागरिकों के जीवन में फिर से खुशहाली और समृद्धि लौटेगी।

आए दिन भगदड़ से लोगों की हो रही मौत देश में भीड़ प्रबंधन में ठोस उपायों की दरकार

देश में बड़े आयोजनों के दौरान भीड़ में भगदड़ की घटनाएं राष्ट्रीय चिंता का विषय बन गई हैं। हाल के महीनों की बात करें, तो देश के विभिन्न हिस्सों में भीड़ प्रबंधन की विफलता के कारण कई लोगों की जान गई हैं। तमिलनाडु के करूर में एक राजनीतिक रैली में मची भगदड़ भी इनमें से एक है। इससे पहले प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी भगदड़ की स्थिति पैदा हुई थी, जिसमें कई श्रद्धालुओं और यात्रियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। पिछले वर्ष हाथरस में हुई भगदड़ की त्रासदी तो इतनी भयावह थी कि इसमें सौ से अधिक लोगों की जान चली गई।

ये सभी घटनाएं प्रशासनिक तैयारी की कमी, भीड़ नियंत्रण की पर्याप्त व्यवस्था न होने और आयोजकों की लापरवाही की ओर इशारा करती हैं। पिछले दो दशकों में भगदड़ की लगभग बाइस बड़ी घटनाएं हुई हैं, जिनमें कुल मिला कर पंद्रह सौ से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई है। ये आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं कि भीड़ प्रबंधन में लापरवाही बरती जाती है जो बार-बार त्रासदियों का कारण बनती है।

अनियंत्रित भीड़ से होने वाली इन दुर्घटनाओं के कई प्रमुख कारण हैं, जो प्रत्येक घटना में समान रूप से सामने आते हैं। सबसे पहली समस्या यह है कि अधिकांश आयोजनों में अनुमानित संख्या से कहीं अधिक लोग आ जाते हैं। हाथरस की घटना में प्रशासन को पचास हजार लोगों के आने की सूचना दी गई थी, जबकि वास्तव में वहां ढाई लाख से अधिक लोग पहुंच गए। इस तरह की गलत सूचना या जानबूझ कर कम संख्या बताने से प्रशासनिक तैयारी अधूरी रह जाती है। दूसरी बड़ी समस्या आयोजन स्थल पर पर्याप्त निकास मार्गों की व्यवस्था न होना है। कई बार भीड़ के प्रवेश के लिए तो व्यापक व्यवस्था होती है, लेकिन

कार्यक्रम समाप्त होने पर बाहर निकलने के लिए रास्ते छोटे या कम पड़ जाते हैं।

करूर की घटना में भी यही देखा गया कि संकरे रास्तों में हजारों लोग एक साथ बाहर निकलने का प्रयास कर रहे थे, जिससे भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई। तीसरी समस्या प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की कमी है। अक्सर देखा गया है कि ज्यादातर आयोजनों में स्थानीय स्तर के सेवादार या अप्रशिक्षित लोग भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं, जो आपात स्थिति में सही निर्णय लेने में असमर्थ होते हैं। चौथी समस्या आधुनिक तकनीक के उपयोग की कमी है, जैसे सीसीटीवी निगरानी, भीड़ की गति को मापने वाले सेंसर और तत्काल संचार प्रणाली, जो खतरे की स्थिति में शीघ्र हस्तक्षेप संभव बना सकें।

धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में भगदड़ की घटनाएं विशेष रूप से चिंताजनक हैं, क्योंकि इनमें भावनात्मक आवेश का स्तर बहुत ऊंचा होता है। हाथरस और महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भीड़ का अनियंत्रित होना इसी आवेश का उदाहरण है। धार्मिक स्थलों पर होने वाली भगदड़ में अक्सर यह देखा जाता है कि श्रद्धालु किसी भी संकेत या चेतावनी को नजरअंदाज कर देते हैं और अपनी आस्था की पूर्ति में इतने तल्लीन हो जाते हैं कि उन्हें आसपास के खतरों का भान नहीं रहता। राजनीतिक रैलियों में भी समान परिस्थितियां उत्पन्न होती हैं, जहां समर्थकों का उत्साह और नेताओं को देखने की उत्सुकता भीड़ को अनियंत्रित कर देती है। इन सभी स्थितियों में आयोजकों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे भीड़ के मनोविज्ञान को समझते हुए उचित व्यवस्था करें। भगदड़ की घटनाओं में जांच निष्कर्षों से पता चलता है कि अधिकांश मामलों में प्रशासनिक और आयोजकों की लापरवाही बड़ी वजह रही है।

हाथरस घटना की न्यायिक जांच में यह पाया गया कि आयोजकों ने जानबूझ कर भीड़ की संख्या कम बताई और प्रशासन ने भी पूर्व तैयारी में कोताही बरती। करूर की घटना में भी सुरक्षा खामियां सामने आईं, जहां रैली स्थल पर पर्याप्त अवरोधक प्रणाली और आपातकालीन निकास की व्यवस्था नहीं थी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ की घटना में रेलवे प्रशासन की जिम्मेदारी स्पष्ट थी, क्योंकि महाकुंभ के कारण भारी भीड़ की संभावना थी, फिर भी प्लेटफार्म पर समुचित व्यवस्था नहीं की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में भीड़ प्रबंधन को गंभीरता से नहीं लिया जाता और इसे केवल पुलिस बल की तैनाती तक सीमित मान लिया जाता है। जबकि वास्तविकता यह है कि भीड़ प्रबंधन एक विशेषज्ञता का क्षेत्र है, जिसमें मनोविज्ञान, प्रौद्योगिकी और आपातकालीन प्रतिक्रिया का समन्वय आवश्यक है। विकसित देशों में बड़े आयोजनों के लिए विशेष भीड़ प्रबंधन योजनाएं तैयार की जाती हैं और उन्हें लागू करने के लिए प्रशिक्षित दल होते हैं।

देश में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भीड़ प्रबंधन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका पालन बहुत कम होता है। इन दिशा-निर्देशों में भीड़ के आकार का सही अनुमान लगाना, पर्याप्त प्रवेश और निकास मार्ग बनाना, चिकित्सा आपातकालीन सेवाओं की तैयारी, सीसीटीवी निगरानी, सार्वजनिक घोषणा प्रणाली और प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की व्यवस्था शामिल है। इसके अतिरिक्त दिशा-निर्देशों में यह भी सुझाव दिया गया है कि बड़े आयोजनों के लिए आयोजकों को प्रशासन से पूर्व अनुमति लेनी चाहिए और सुरक्षा योजना प्रस्तुत करनी चाहिए। मगर, व्यावहारिक तौर पर कई आयोजक इन नियमों को दरकिनार कर देते हैं और प्रशासन भी राजनीतिक या धार्मिक संवेदनशीलता के कारण सख्त कार्रवाई से बचता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भीड़ प्रबंधन के लिए एक स्थायी और व्यावसायिक तंत्र विकसित किया जाना चाहिए, जो बड़े आयोजनों की निगरानी और मार्गदर्शन करे। इसके साथ ही प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए जैसे- कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित भीड़ विश्लेषण प्रणाली, जो वास्तविक समय में भीड़ के घनत्व और गति को माप कर संभावित खतरों की चेतावनी दे सके। ड्रोन से निगरानी और ताप संवेदक का प्रयोग भी किया सकता है, जो भीड़ के अत्यधिक दबाव वाले क्षेत्रों की पहचान करने में सहायक होते हैं। भगदड़ की घटनाओं में कानूनी जवाबदेही का प्रश्न भी महत्त्वपूर्ण है। अधिकांश मामलों में आयोजकों के खिलाफ मामले दर्ज तो होते हैं, लेकिन सबूतों के अभाव में ज्यादातर बच निकलते हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या इन घटनाओं को रोकने के लिए कानूनी प्रावधान पर्याप्त हैं?

नीति निर्माताओं को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा, ताकि आयोजक और प्रशासन दोनों अपनी जिम्मेदारियों के प्रति गंभीर रहें। इसके अतिरिक्त प्रत्येक घटना के बाद एक स्वतंत्र और पारदर्शी जांच होनी चाहिए, जिसकी सिफारिशों को कड़ाई से लागू किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। जनसंख्या और सामाजिक-धार्मिक गतिविधियों के लिहाज से भारत एक विशिष्ट देश है, जहां वर्ष भर में कई बड़े आयोजन होते हैं। कुंभ मेला, दुर्गा पूजा, गणेश चतुर्थी, जन्माष्टमी के दही हांडी कार्यक्रम, राजनीतिक रैलियां और सांस्कृतिक महोत्सव जैसे अनगिनत अवसर होते हैं, जहां लाखों लोग एकत्र होते हैं। इन सभी आयोजनों को सुरक्षित बनाना चुनौतीपूर्ण कार्य है। ऐसे में लोगों को जागरूक करना भी जरूरी है कि भीड़ में किस प्रकार का व्यवहार सुरक्षित है और आपात स्थिति में क्या करना चाहिए। शासन-प्रशासन, आयोजक और आम जनता सभी को मिल कर यह सुनिश्चित करना होगा कि सार्वजनिक आयोजन सुरक्षित हों। भीड़ प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा और इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे।

किसी प्रयोगशाला के प्रयोग की तरह है जीवन का प्रत्येक पहलू, भागदौड़ में भी अपने लिए निकालें कुछ समय

जीवन मनुष्य को प्रकृति के द्वारा दी गई एक अनमोल भेंट है। केवल जन्म से लेकर मृत्यु तक की अवधि के रूप में ही जीवन को परिभाषित कर देना इसके अर्थ के साथ अन्याय करना होगा। सही अर्थों में जीवन संघर्षों, अनुभवों, भावनाओं, सफलता-विफलता और परिस्थितियों की एक सतत यात्रा का नाम है। अगर हम जीवन को एक सतत अन्वेषण के रूप में देखें तो निश्चित ही हम इसके प्रत्येक पहलू को उचित ढंग से देखते हुए उसका मूल्यांकन कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। मगर यह भी तय है कि अन्वेषण की प्रक्रिया के उपरांत सफलता एवं सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने के लिए अन्वेषण का तर्क और जिज्ञासा के साथ संबद्ध होना नितांत आवश्यक है।

जीवन का प्रत्येक पहलू असीम संभावनाओं से भरा है। केवल आवश्यकता है, तो उन संभावनाओं और अवसरों को पहचानने की। प्रत्येक दिन थोड़ा-सा समय निकालकर हमें अपने अंतर्मन में झांकने का प्रयास करना चाहिए और उस अंतर्मन में कुछ प्रश्नों के बीज बोने चाहिए। यथा- जीवन क्या है, मैं कौन हूं, मेरा इस संसार में आने का उद्देश्य क्या है आदि। अपने अंतस की गहराइयों में उतरकर ही हम अपनी सभी शंकाओं का समाधान करने में सफल हो सकते हैं और एक बार जब शंकाओं का समाधान हो जाता है तो शांति का अथाह सागर हमारे हृदय में उमड़ पड़ता है।

बाह्य जगत की भाग-दौड़ तो कभी हमारा पीछा छोड़ने वाली नहीं है, किंतु इसी भागदौड़ में से हमें समय का अल्पांश अपने भीतर की यात्रा के लिए निकालने का प्रयास करना है। जीवन के हर मोड़ पर एक नई परिस्थिति हमारा स्वागत कर रही होती है। वह परिस्थिति चाहे अनुकूल हो या प्रतिकूल, हमें पूर्ण इच्छाशक्ति, बुद्धि और विवेक के साथ ही उसे संभालना है। मानवता और प्रेम जैसे सद्गुणों की नौका पर सवार होकर और दृढ़ संकल्प की पतवार लेकर जब हम जीवनरूपी उदधि की यात्रा करते हैं, तो निश्चित रूप से जीवन का प्रत्येक पहलू अपने आप ही हमारे अनुकूल होकर हमें सुखद परिणाम देने लगता है।

दरअसल, जीवन का प्रत्येक पहलू किसी परीक्षा के प्रश्न पत्र अथवा किसी प्रयोगशाला के प्रयोग की तरह है। इसके संभावित परिणामों के भी अनेक विकल्प होते हैं, लेकिन प्रत्येक परिणाम, प्रत्येक अनुभव, प्रत्येक परिस्थिति और प्रत्येक सत्य को सहज भाव से स्वीकार कर लेना ही हमें एक पूर्ण तथा सार्थक जीवन जीने की राह दिखाता है। प्रतिक्षण हम सुख की तलाश में ही रहते हैं, दुख को कदापि स्वीकार करना नहीं चाहते। किंतु हमें यह कटु सत्य अंगीकार करना होगा कि दुख भी इसी जीवन का एक अभिन्न हिस्सा है। जीवन रूपी संग्राम में अगर हम दूसरों की गतिविधियों पर केंद्रित रहेंगे, तो निश्चित बात है कि हम सदैव दुख से घिरे रहेंगे। दुख के बवंडर से अपने आप को बाहर निकालने का केवल एक ही तरीका है कि हम स्वतंत्र रूप से अपना कर्म करें। जीवन बहुत ही लघु अवधि का है और समय अपनी तीव्र गति के साथ हमें नजरअंदाज करते हुए दौड़ता जा रहा है।

समय पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है। इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि हम जीवन के प्रत्येक छोटे पल को भी पूरी जीवंतता के साथ जीने का प्रयास करें और उस पल से निःसृत होने वाले आनंद की अनुभूति करें। विफलताएं, प्रतिकूल परिस्थितियां और भय, इनको अपना साथी मानते हुए इनसे सकारात्मकता को निचोड़कर उसे अपनी अभिप्रेरणा बनाने का प्रयास करके ही हम जीवन के प्रत्येक पहलू को सार्थक बना सकते हैं। केवल प्रश्नों और शंकाओं से घिरे रहकर हम जीवन के अर्थ से कभी परिचित नहीं हो सकते। जीवन के पहलुओं और उनके सच्चे अर्थ से तभी परिचित हुआ जा सकता है, जब हम उन्हें सहज भाव और शांति के साथ जीने तथा महसूस करने का प्रयास करें। अपने चारों ओर के परिवेश में जब हम जीवन को ढूंढ़ेंगे, तभी समझ सकेंगे कि जीवन वास्तव में क्या है। बहुत अधिक गंभीरता के साथ जीवन की विवेचना करने का प्रयास करना हमें जीवन के सच्चे भाव और सुंदरता से दूर ले जा सकता है। एक अन्य महत्त्वपूर्ण बात यह है कि जीवन की सुंदरता का आनंद लेने के लिए हमें अपनी इच्छाओं पर लगाम लगानी होगी। इच्छाओं का ज्वार हमें आपाधापी और प्रतिस्पर्धा की ओर धकेल देता है, और ऐसी दशा में हम जीवन नहीं जी सकते। धैर्य और आत्मानुशासन जैसे गुण ही जीवन को सच्ची सुंदरता प्रदान कर सकते हैं। जीवन के विभिन्न पहलुओं के विषय में हमें अधिक से अधिक ज्ञानार्जन करने का प्रयास करना चाहिए, ताकि हम अपने व्यक्तित्व को विकास के उत्तरोत्तर शिखरों तक पहुंचा सकें।

हर स्थिति में बंधनमुक्त होकर और शांतिपूर्ण मनःस्थिति के साथ छोटे-छोटे पलों में जीवन का रसास्वादन करना हमें एक सार्थक दिशा और दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। हर सुबह, हर शाम, हर रोज, हर रात, हर विचार, हरेक भावना और प्रकृति के प्रत्येक उपहार को पूर्ण हर्ष और उल्लास के साथ स्वीकार करते हुए अपने अधरों पर सदैव मुस्कान का आवरण बनाए रखना चाहिए। जीवन के आलेखन में रंग भरने में जीवन के प्रति हमारा नजरिया एक महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। कभी किन्हीं परिस्थितियों में अगर हम विचलित महसूस करते हैं, तो ठीक उस क्षण हमें सब कुछ छोड़कर एकांत में बैठकर अपने अंदर विद्यमान प्रेरक तत्त्व से जुड़ने का प्रयास करना चाहिए जो व्यापक स्वरूप में हर जगह मौजूद है। निश्चित ही एकांत और साधना के वे क्षण हमें एक अद्भुत प्रेरणा देने का कार्य करेंगे और हम आत्मशक्ति से परिचित होकर जीवन की सुंदरता के उन्नत आयामों तथा पहलुओं को समझ पाने में सक्षम और समर्थ हो सकेंगे।

आखिर गठबंधन की 'गदहपचीसी' में कबतक उलझा रहेगा बिहार? बताएं नेता-मतदातागण!

सिद्धांत विहीन गठबंधन की राजनीति से किसी भी जीवंत लोकतंत्र का कदापि भला नहीं हो सकता है। बिहार इसका दिलचस्प उदाहरण बन चुका है। यहां पर नीति और नियम दोनों का माखौल उड़ाया जा रहा है। चाहे एनडीए हो या इंडिया महागठबंधन (पूर्व नाम यूपीए), दोनों जगहों पर टिकट बंटवारे में जितनी सिरफुटौव्वल दिखाई पड़ी, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यदि मतदाताओं ने समझदारी नहीं दिखाई तो 14 नवम्बर से सरकार बनाने के लिए हॉर्स ट्रेडिंग होना तय है।

सच कहूं तो इस फजीहत भरी सियासी स्थिति के लिए भाजपा और कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व भी कम जिम्मेदार नहीं है, क्योंकि उनके बीच बारहों मास चलते रहने वाले शह और मात के अनैतिक खेल से उनके क्षेत्रीय सहयोगियों के इकबाल बुलंद रहते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जदयू और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव (सुपुत्र पूर्व मुख्यमंत्रीद्वय लालू यादव व राबड़ी देवी) तो महज इनके हथकंडे मात्र हैं।

लेकिन कभी एक-दूसरे की सियासी उन्नति की सहायक रहे नीतीश कुमार और लालू यादव इतने सजग रहते हैं कि इन्होंने एक-दूसरे का प्रबल विरोधी रहने के बावजूद दो-दो बार आपस में हाथ मिलाने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। इन्होंने भाजपा-कांग्रेस की सियासी तिकड़मों को बिहार में कभी सफल नहीं होने दिया। खास बात यह कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के टिकट बंटवारे से पहले भी इन्होंने यानी जदयू ने भाजपा को और राजद ने कांग्रेस को, उनके गठबंधन सहयोगियों को उकसाकर जो गुप्त सियासी खेल खेला है, उससे राजनीतिक विश्लेषकों का भी दंग रह जाना स्वाभाविक है।

जदयू का यह कहना कि लोजपा आर, हम और रालोमो को भाजपा मैनेज करे, यह एक गहरी सियासी चाल है! वहीं तेजस्वी यादव के परोक्ष इशारे पर वीवीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी द्वारा कांग्रेस पर तंज कसना और कांग्रेस को पिछली बार से भी कम सीटें ऑफर करना, साथ ही भाकपा माले द्वारा अधिक सीटों की मांग करना यह जाहिर करता है कि राजद अपने सहयोगियों को सीट बंटवारे के दौरान इतना कमजोर रखना चाहता है कि कि चुनाव परिणाम आने के बाद भी इनकी मोलभाव की ताकत कम रहे। यही पेंच जदयू की भी है, लेकिन भाजपा ने उसे 122 से 101 तक झुकाकर अपनी बढ़त बना ली है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि गठबंधन की बुनियाद पर लड़े जा रहे चुनाव में पहली और बड़ी चुनौती यही रहती है कि गठबंधन के भीतर किस तरह से सहयोगी दलों की राजनीतिक महत्वाकांक्षा और जमीनी हकीकत के बीच तालमेल बिठाया जाए यानी कि सही संतुलन साधा जाए। इस नजरिए से बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने सहयोगियों के बीच सीटों की संख्या के बंटवारे की गुत्थी पहले ही सुलझाकर शुरुआती बढ़त हासिल कर ली है, लेकिन सीटों के बंटवारे का असली पेंच यहां भी खबर लिखे जाने तक फंसा हुआ है।

सियासी टिप्पणीकारों की मानें तो बिहार में राजग या महागठबंधन के 2020 के मुकाबले 2025 में गठबंधनों के बाहर ही नहीं, बल्कि भीतर भी समीकरण बदल चुके हैं, जिसका तीखा असर सीट शेयरिंग पर भी दिख रहा है। एनडीए में जदयू और बीजेपी बराबर-बराबर सीटों पर मैदान में हैं, जबकि बाकी दलों को उनकी मांग से काफी कम सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है। जिससे वे लोग बाहर से खुश और अंदर से नाखुश हैं। उनकी सियासी कविताएं इसी बात की चुगली करती हैं। हालांकि गठबंधन के लिए अच्छी बात यह होगी कि किसी सहयोगी दल ने खुलेआम नाखुशी जाहिर नहीं की है, क्योंकि अब में निर्विकल्प हो चुके हैं।

जानकारों की मानें तो बिहार विधानसभा चुनाव 2025 मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने एक नहीं बल्कि कई चुनौतियां लेकर आया है। भले ही वृद्ध हठ के अनुरूप इस चुनाव में भी राजग का चेहरा नीतीश कुमार ही हैं, लेकिन बड़े भाई वाली उनकी पार्टी की भूमिका अब बराबर वाली हो चुकी है। पिछले दो दशकों से यही कहानी रही है कि उनके साथ में भाजपा रही हो या राजद, सीटें कम आई हों या ज्यादा -नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने। बीच में कुछ समय के लिए जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री उन्होंने ही बनवाया था। इसप्रकार वर्ष 2005 से ही वह मुख्यमंत्री पद पर बने हुए हैं।

हालांकि इस चुनाव में उनकी राह आसान नहीं लग रही है, क्योंकि भाजपा, लोजपा आर, हम और रालोमो का दबाव उनपर है। वहीं, कानून-व्यवस्था को चुनौती देते अपराधियों की टीम और उनके सहयोगियों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों ने उनकी सुशासन बाबू वाली छवि को गहरी चोट पहुंचाई है। हालांकि मोदी नाम केवलम के दम पर तो उनकी चुनावी नैया पार लग जाएगी। लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि पिछली बार की तरह अगर इस बार भी उन्हें भाजपा से कम सीटें मिलती हैं, तब भी क्या सीएम की कुर्सी पर उनका दावा बना रहेगा या फिर चुनाव बाद कोई नया राजनीतिक खेल शुरू होगा। वहीं, राजद की मुश्किल अलग प्रकार की है। कहा जा रहा है कि एनडीए ने जिस फॉर्म्युले को समय रहते ही सुलझा लिया, उसी फॉर्मूले तक पहुंचने में महागठबंधन को अभी काफी पापड़ बेलने पड़ेंगे और कांग्रेस आलाकमान की कठिन परीक्षा से उन्हें गुजरना है। क्योंकि इस बार कांग्रेस ने बिहार में पहले से भी अधिक सीटों की आस लगाई है। जबकि राजद के लिए उसे मानना और साथ में दूसरे सहयोगियों से तालमेल बैठाना काफी मुश्किल हो सकता है। ऐसा उनकी परस्पर विरोधाभासी बयानबाजियों से पता चलता है। कोढ़ में खाज यह कि इस बीच आईआरसीटीसी होटल भ्रष्टाचार (करप्शन) केस में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ आरोप तय होने से भी तीनों नेताओं की परेशानी बढ़ी है और आगे भी ज्यादा बढ़ सकती है। चूंकि तेजस्वी यादव ने अपने चुनावी अभियान में भ्रष्टाचार और रोजगार जैसे अहम मुद्दे उठाए हैं। लेकिन ऐन चुनाव के पहले भ्रष्टाचार के मुकदमे (करप्शन केस) के आगे बढ़ने से उनके विरोधी दलों को एक और बड़ा मौका मिल गया है और भाजपा ने तो इसकी आक्रामक शुरुआत भी कर दी है। उधर, सुप्रसिद्ध चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की नवस्थापित पार्टी जनसुराज का एंगल भी राजग और महागठबंधन की सियासी महत्वाकांक्षाओं में सियासी पलीता लगा सकता है, क्योंकि प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने भी उम्मीदवारों का ताबड़तोड़ ऐलान शुरू कर दिया है। इससे कहीं एनडीए को तो कहीं महागठबंधन को तगड़ा घाटा होगा, क्योंकि इस पार्टी की ओर से अब तक की जारी लिस्ट में जातिगत समीकरणों का पूरा पूरा ख्याल रखा गया है। बहरहाल, अब पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन की आखिरी तारीख में केवल चार दिन बचे हैं, और दूसरे खेमों ने लिस्ट जारी करने में बाजी मार ली है, तो महागठबंधन पर दबाव बढ़ा होगा, ऐसा स्वाभाविक है। जनता को भी अब एनडीए और महागठबंधन की कीच कीच रास नहीं आ रही है। जिन उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार का कम समय मिलेगा, उनकी जीत के चान्स भगवान भरोसे रह जाए तो कहना गलत नहीं होगा। अब यह बिहार के प्रबुद्धजनों व मतदाताओं के ऊपर निर्भर है कि गठबंधन की गदहा-पचीसी से वो बाहर निकलकर एक नए भविष्य का निर्माण करेंगे या फिर लालू प्रसाद व उनके विकल्प नीतीश कुमार के सियासी भूलभुलैया में उलझे रहेंगे।

सवाल मौजूं है कि आखिर गठबंधन की 'गदहपचीसी' में कबतक उलझा रहेगा बिहार? बिहार के नेताओं व मतदाताओं को यह बात स्पष्ट करके ही दमदार निर्णय लेना चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि मुख्यमंत्री के साथ साथ भावी प्रधानमंत्री वो कब चुनेंगे?

केन्द्रीय संचार ब्यूरो, लखनऊ के 'सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 साल' प्रचार प्रसार कार्यक्रम का दूसरा दिन देश की 'नारी शक्ति' को समर्पित

'वन स्टॉप सेंटर' केन्द्रों का लक्ष्य उद्योग, नौकरी और अन्य मदद से महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना है' - श्रीमती अर्चना सिंह

'जब एक महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो वह अपने बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य बेहतर ढंग से सुनिश्चित करती है।' - डॉ. हिमानी श्रीवास्तव

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/लखनऊ। केन्द्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), लखनऊ द्वारा डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में आयोजित पाँच दिवसीय कार्यक्रम का दूसरा दिन 'नारी शक्ति तथा महिला एवं बाल विकास' के विषय को समर्पित रहा।

कार्यक्रम की अतिथि एवम् वक्ता स्क्वाड्रन लीडर डॉ तूलिका रानी ने रक्षा सेवाओं में महिलाओं के लिए बढ़ते अवसरों पर प्रकाश डाला। समाज में महिला-पुरुष समानता पर बल देते हुए उन्होंने कहा, 'महिला और पुरुष एक दूसरे के विपरीत नहीं हैं, बल्कि प्रकृति ने इन्हें एक दूसरे का पूरक बनाया है।' अपने संबोधन में उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का विशेष उल्लेख करते हुए उसमें महिला शक्ति द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

कार्यक्रम में अतिथि एवम् वक्ता वन स्टॉप सेंटर, लखनऊ की प्रभारी, श्रीमती अर्चना सिंह ने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश सरकार के 'वन स्टॉप सेंटर' की स्थापना की प्रशंसा करते हुए बताया कि इन केन्द्रों का लक्ष्य उद्योग, नौकरी और अन्य मदद से महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाना है। उन्होंने आगे अपने संबोधन में केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के विकास एवं सशक्तिकरण हेतु चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की भी जानकारी दी।

कार्यक्रम में अतिथि एवम् वक्ता युवा उद्यमी डॉ. हिमानी श्रीवास्तव ने आर्थिक आत्मनिर्भरता को महिला सशक्तिकरण का मूल आधार बताया। उन्होंने बिना किसी केमिकल और एडिटिव्स के खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) में अपने

सफल व्यवसाय का उदाहरण देते हुए सरकार की व्यापार-समर्थक नीतियों, विशेषकर जीएसटी दरों में कटौती की प्रशंसा की। डॉ श्रीवास्तव ने कहा कि जब एक महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो वह अपने बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य बेहतर ढंग से सुनिश्चित करती है, जिससे पूरे परिवार और समाज का विकास होता है।

डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने आज के कार्यक्रम के बारे में अपने संदेश में कहा कि आज के कार्यक्रम का विषय जो देश की नारी शक्ति को समर्पित था वह अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। केंद्रीय संचार ब्यूरो के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों का समावेश बहुत ही उत्कृष्ट है।

कार्यक्रम के दूसरे दिन के शुभारंभ में सीबीसी निदेशक मनोज कुमार वर्मा ने कहा कि 'विकसित भारत' का निर्माण महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के बिना असंभव है।

आज की थीम को ध्यान में रखते हुए, छात्राओं एवं बच्चों के लिए विशेष रूप से भाषण, मेहंदी, चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त दिन भर चले कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होता रहा और भोजपुरी लोकगीत झंकार एंड पार्टी की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम को समावेशी बनाने हेतु मूक-बधिर दर्शकों के लिए साइन लैंग्वेज (सांकेतिक भाषा) की भी विशेष व्यवस्था की गई थी।

इसके साथ ही, 'नारी शक्ति' और 'ऑपरेशन सिन्दूर' जैसे विषयों पर आधारित 80 से अधिक पैनलों वाली चित्र प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई रही।

इस मौके पर केंद्रीय संचार ब्यूरो के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी जय सिंह, लक्ष्मण शर्मा, अमन त्रिपाठी, प्रेम सिंह नेगी, जितेंद्र पाल सिंह और विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम की जयंती पर किया नमन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारत के पूर्व राष्ट्रपति, मिसाइल मैन के नाम से सुविख्यात ए पी जे अब्दुल कलाम की जयंती पर आज सपा कार्यालय में उनके चित्र पर फूल माला अर्पित कर नमन किया गया। सपा जिलाध्यक्ष अनिल यादव एवं महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन ने संयुक्त वक्तव्य में कहा कि उन्होंने बचपन में तमाम दिक्क़तों के बावजूद अपनी दृढ़ इक्षा शक्ति के बल पर देश के सबसे बड़े सम्मान को हासिल किया। वैज्ञानिक के रूप में अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइले दिया। वर्ष 2002से 2007तक देश के राष्ट्रपति रहे अब्दुल कलाम साहब को भारत रत्न से नावाजा गया में युवा पीढ़ी खासकर छात्रों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेख़ार हुसैन, जगदीश यादव, महेन्द्र निषाद, दान बहादुर मधुर, शांति प्रकाश पटेल, राम अवध पाल, नाटे चौधरी, मृत्युजय पाण्डेय, वजीर खां, महबूब उस्मानी, पंचू यादव, कुलदीप, रंग बहादुरपटेल, मो सऊद, मकबूल हसन, शशि भूषण पाण्डेय, मेहरबान सिंह, लाल चंद्र मौर्य, सुरेश श्रीवास्तव, अनिल वर्मा, विनय मौर्य, आदि मौजूद रहे।

नगर निगम की न्यू बिल्डिंग हॉल में वित्तीय समावेशन कैंप का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज के न्यू बिल्डिंग हॉल में भारतीय डाक विभाग एवं नगर निगम प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में वित्तीय समावेशन कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप का उद्देश्य नगर निगम के कर्मचारियों एवं सफाई मित्रों को डाक विभाग की विभिन्न बचत एवं निवेश योजनाओं की जानकारी प्रदान करना तथा उन्हें इन योजनाओं से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्रीमती प्रीति अग्रवाल, निदेशक डाक सेवाएं (प्रयागराज) ने भारतीय डाक विभाग की बचत योजनाओं जैसे डाकघर बचत खाता, आवर्ती जमा, सावधि जमा, पब्लिक प्रोविडेंट फंड, सुकन्या समृद्धि योजना आदि के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कर्मचारियों को इन योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर साई तेजा धेंए, नगर आयुक्त प्रयागराज ने अपने संबोधन में सभी कर्मचारियों एवं सफाई मित्रों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में योजनाओं का लाभ उठाएं तथा अपने परिवार के आर्थिक भविष्य को सुरक्षित बनाएं। सुशील कुमार तिवारी, प्रवर अधीक्षक डाकघर प्रयागराज ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर उपाधीक्षक पी.सी. तिवारी, परिवाद निरीक्षक अभिषेक सिंह , सहायक नगर आयुक्त दीपशिखा पाण्डेय सहित नगर निगम के एवं डाक विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपाइयों ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम को दी श्रद्धांजलि

प्रयागराज। भाजपाइयों के द्वारा मुट्ठीगंज कार्यालय में पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम जी को उनके जन्म जयंती के अवसर पर उनके स्मृति में श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी एवं उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल ने कहा कि भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम जी का जीवन संघर्षों भरा और सादगी पूर्ण रहा उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष एवं रक्षा अनुसंधान को नई दिशा प्रदान की और अपनी प्रतिभा एवं समर्पण से उन्होंने देश को रक्षा के क्षेत्र में सशक्त और समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका महान जीवन और विचार प्रत्येक देशवासी को राष्ट्रनिर्माण में समर्पित रहने की प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। संचालन पूर्व मंडल संयोजक अजय अग्रहरि ने किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में शत्रुघ्न जायसवाल किशन चंद्र जायसवाल, धीरज केसरवानी, कमलेश केसरवानी, नीरज केसरवानी, आंनद मिश्रा, सचिन गुप्ता, श्रेष्ठ चौरसिया विकास चौरसिया, राजेश शर्मा, पद्माकर श्रीवास्तव, अभिलाष केसरवानी, सुमित केसरवानी, मधुर माथुर आदि रहे।

प्रयागराज मण्डल द्वारा 'बाल वाटिका पब्लिक विद्यालय' के अध्यापकों एवं कर्मचारियों को किया गया पुरस्कृत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आयोजित विशेष सम्मान समारोह में प्रयागराज मण्डल की महिला कल्याण समिति द्वारा संचालित 'बाल वाटिका पब्लिक विद्यालय' में उत्कृष्ट शिक्षण कार्य के लिए समिति की अध्यक्षा, श्रीमती वंदना अग्रवाल द्वारा अध्यापकों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया । इस अवसर पर उपाध्यक्षा, श्रीमती तरुणा प्रकाश, श्रीमती प्रज्ञा दीपक कुमार एवं श्रीमती गुलशन वारिस, सचिव श्रीमती प्रीति केसरवानी, कोषाध्यक्षा निहारिका सिंह, सदस्या वंदना सिंह, प्रवीना सिंह, पूर्वी कन्नौजिया उपस्थित रही ।

इस अवसर पर समिति की अध्यक्षा श्रीमती श्रीमती वंदना अग्रवाल ने सभी पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि बाल शिक्षा की नींव मजबूत करने में अध्यापकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि बाल वाटिका के शिक्षकगण न केवल शैक्षणिक विकास बल्कि बच्चों के नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों के संवर्धन में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं । महिला कल्याण समिति द्वारा ऐसे आयोजनों का उद्देश्य रेलवे परिवार के शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत कर्मियों का मनोबल बढ़ाना एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रोत्साहन देना है । इस विशेष सम्मान समारोह में बाल वाटिका की प्रधानचर्या, श्रीमती मीना सक्सेना; अध्यापिका, श्रीमती कुंती, श्रीमती प्रिया, श्रीमती अमीषा, श्रीमती शालू, श्रीमती जाह्नवी, अध्यापक कमल सिंह को उत्कृष्ट शिक्षण कार्य के लिए एवं स्वच्छताकर्मी श्रीमती मालती एवं आया श्रीमती श्रद्धा को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया ।

जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के बांसी कोतवाली क्षेत्र के जीवा गांव में बुधवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में मार- पीट कर लिए। यह रंजिश पुरानी बताई जा रही है। जिसका किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया जो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। क्षेत्र के जीवा गांव की श्रीमती मिथिलेश पाण्डेय के घर के आगे खाली जमीन है, जिस पर वह अपना हक जताती हैं। उसी जमीन पर गांव के जवाहर पाण्डेय भी अपना दावा पेश करते हैं। इसी को लेकर दोनों पक्षों में काफी समय से विवाद चलता आ रहा है। बुधवार को सुबह दोनों पक्षों में जमीनी विवाद को लेकर कहा सुनी होने लगी। इसी बीच जवाहर के घर के विनोद पाण्डेय और विजय पाण्डेय मिथिलेश के बेटे शिवम पाण्डेय और गोलू पाण्डेय पर लाठी डंडा से प्रहार कर दिए। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ पहुंचकर झगड़े का बीज बचाव करवाते हुए झगड़े को शांत करवाया। इस मामले को लेकर मिथिलेश पांडे ने कोतवाली में शिकायत पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी गौरव सिंह ने बताया कि तहरीर मिला जांच कर कार्यवाही की जायेगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष मिशन शक्ति फेज-5 के तहत महिला अपराध को लेकर जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शिवनगर थाना डिडई क्षेत्र के सेमरहना गाँव स्थित जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह के आवास पर बुधवार को शिवनगर पुलिस द्वारा डिजिटल वॉरियर/ साइबर अपराध जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता व प्रतिनिधि जिला पंचायत उपेन्द्र प्रताप सिंह की अगुवाई में मिशन शक्ति फेज- 5 के तहत प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस द्वारा लगाए गए सशक्तिकरण अभियान के मुख्य अतिथि पुलिस उप महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती संजीव त्यागी को शिवनगर थाना पुलिस द्वारा कार्यक्रम स्थल पर गार्ड आफ आनर दिया गया। पुलिस उप महानिरीक्षक व एसपी ने महिला सशक्तिकरण के तहत जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह को पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया। पुलिस उप महानिरीक्षक का पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन, सीओ सुजीत राय सहित सभी पुलिस अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में कहा कि पूरे जोन में नारी अपराध पर रोक लगाने के लिए सास बहू सम्मेलन और जागरुकता के लिए जागरुकता कार्यशाला व चौपाल के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है।उन्होंने महिलाओं से थाना पर स्थापित शक्ति केन्द्र से जुडने का

सुझाव दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष शीतल सिंह ने कहा कि अभियान मिशन शक्ति यह केवल सरकारी योजना नहीं बल्कि प्रदेश की नारी शक्ति के सम्मान, सुरक्षा और स्वालंबन का महायज्ञ है। प्रदेश सरकार नारी सुरक्षा सशक्तिकरण के लिए बेहद संवेदनशील है। कार्यक्रम को पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन, सीओ सुजीत राय के अलावा प्रभारी निरीक्षक जोगिया भाग्यवती पाण्डेय, महिला थाना सिद्धार्थ नगर की महिला उप निरीक्षक साइबर प्रभारी शाहिस्ता खांन ने भी छात्राओं व महिलाओं को कानूनी जानकारी देने के साथ संभावित साइबर अपराधों के प्रति उदाहरण के साथ सजग किया। कार्यशाला को मुख्य आरक्षी दिलीप कुमार द्विवेदी साइबर क्राइम थाना सिद्धार्थनगर नगर ने भी संबोधित किया। महिला पुलिस अधिकारियों व आरक्षियों को जिला पंचायत अध्यक्ष व प्रतिनिधि व पुलिस उप महानिरीक्षक संजीव त्यागी तथा पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया। सशक्तिकरण में विशेष योगदान व बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन वाली छात्राओं को जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा स्मृति चिन्ह् देकर सम्मानित किया गया। राम फुलारे इं0 का0 डढिया के इंटर की छात्रा मुस्कान व स्व0 प्यारी देवी इ0 मी0 कालेज मसिना खास की छात्रा पूजा तिवारी को महिला सशक्तिकरण पर सशक्त पक्ष रखने के लिए जिला पंचायत प्रतिनिधि उपेन्द्र प्रताप सिंह ने विशेष रूप से पुरस्कृत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उपेन्द्र प्रताप सिंह ने सभी छात्राओं, महिलाओं व उपस्थित क्षेत्र के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। क्षेत्र की आई हुई महिलाओं को दीपावल को देखते अंग वस्त्र देकर विदा किया क्षेत्र की सम्मानित जनता के साथ भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व नेता मौजूद रहें।

जिलाधिकारी ने वी.एच.एस.एन.डी. सेशन भैला मकदूमपुर का किया आकस्मिक निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने वी.एच.एस.एन.डी. सेशन भैला मकदूमपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने ए.एन.एम. एवं आशा से स्वास्थ्य, पोषण एवं टीकाकरण सम्बन्धी कार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए ए.एन.एम. को ड्यूलिस्ट अपडेट रखने एवं एम.सी.पी. कार्ड में सूचनायें शत-प्रतिशत भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ड्यूलिस्ट के अनुसार बच्चों के टीकाकरण एवं एन.एन.सी. चेक-अप का विशेष ध्यान दिया जाय। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को सही खान-पान एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी आवश्यक जानकारी दी जाय तथा पोर्टल पर शत-प्रतिशत फीडिंग सुनिश्चित किया जाय।

आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने किया अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में आरेडिका के स्टाल का उद्घाटन

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। दिल्ली के प्रगति मैदान में 15.10.2025 से 17.10.2025 तक चल रहे अंतरराष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी के पहले दिन महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने प्रदर्शनी का दौरा किया। इसमें विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग कर अपने-अपने देश की तकनीकी एवं क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में आरेडिका भी भारतीय रेलवे की उत्पादन इकाई के रूप में रेलवे के उपकरणों एवं तकनीकी क्षमताओं का प्रदर्शन कर रही है। वर्ष 1990 में शुरू की गई, अंतर्राष्ट्रीय रेलवे उपकरण प्रदर्शनी (आईआरईई) सीआईआई की प्रमुख प्रदर्शनी है जिसका आयोजन रेल मंत्रालय के साथ साझेदारी में किया जा रहा है।

इस वर्ष का आयोजन में 15 से अधिक देशों के 450 से अधिक प्रदर्शक रेल और मेट्रो क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक तकनीकों, समाधानों और सेवाओं का प्रदर्शन करेंगे।

आईआरईई एक ऐतिहासिक आयोजन के रूप में विकसित हुआ है जो सीआईआई और रेल मंत्रालय के बीच निरंतर सहयोग को बताता है। दशकों से, इसने भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और रेल प्रौद्योगिकी में वैश्विक अग्रणी बनने की उसकी महत्वाकांक्षाओं को निरंतर प्रदर्शित किया है। यहां आने वाले देशी-विदेशी सभी आगन्तुको को रेलवे के उपकरणों एवं उनके कार्य के बारे में रूबरू कराया जा रहा है। महाप्रबंधक मिश्रा रेलवे के साथ साथ सहयोगी कंपनियों के स्टॉल का दौरा कर उनके प्रोडक्ट्स के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं उन्हे अपने कोच उत्पादन में लगने वाले उपकरणों बारे में जानकारी साझा की। कोचों में यात्रियों की सुविधा बेहतर एवं आरामदायक बनाने के साथ ही क्या क्या नए काम कोचों में किया जाए इसके प्रति मिश्रा ने ज्यादा उत्सुकता दिखाई। उन्होंने कहा कि आरेडिका इस प्रकार के प्रदर्शनों में अपनी बढ़-चढ़कर भूमिका निभाता रहेगा।

इस अवसर आरेडिका की ओर से विजय कुमार चीफ इलेक्ट्रिकल डिजाइन इंजीनियर, आर. एन. तिवारी सचिव महाप्रबंधक एवं मुख्य जन संपर्क अधिकारी, सी एस श्याम डिप्टी चीफ इलेक्ट्रिकल डिजाइन इंजीनियर डिप्टी सीएमएम संजय निगम, डिजाइन से एसएमई ए. के. अग्निहोत्री, जन संपर्क अधिकारी अनिल श्रीवास्तव एवं डिजाइन विभाग से सीनियर सेक्शन इंजीनियर के के श्रीवास्तव, आलोक कुमार, अंगद सिंह कुशवाहा, श्रीराम सिंह, प्रोटोकॉल निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेज़न ग्लोबल सेलिंग के साथ स्थानीय व्यवसायों की वैश्विक उड़ान

वाराणसी। अमेज़न ग्लोबल सेलिंग ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में निर्यात हाट का आयोजन किया।गौरतलब है कि वाराणसी को दक्षिण एशिया में हाथ से बुने कालीन उद्योग का सबसे बड़ा केंद्र होनेकेनाते'कालीन नगरी' के रूप में जाना जाता है। अमेज़न के 2015 में शुरू किए गए इस प्रमुख ई-कॉमर्स निर्यात कार्यक्रम ने अब तक1, 50, 000 से अधिक भारतीय निर्यातकों को 13 अरब डॉलर से अधिक का संचयी निर्यात करने में मददकी है। आज संपन्न निर्यात हाट कार्यक्रम में वाराणसी और मिर्ज़ापुर सहित आसपास के क्षेत्रों के 100 से अधिक निर्यातकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को सफल निर्यात व्यवसाय बनाने के बारे में मार्गदर्शन दिया गया, जिसमें बाज़ार के अवसर, सीमा पार लॉजिस्टिक्स, अंतर्राष्ट्रीय भुगतान और वैश्विक व्यापार के अन्य आवश्यक पहलू शामिल थे। अमेज़न ग्लोबल सेलिंग ने इस साल, कोयंबटूर, मुरादाबाद और पानीपत जैसे विनिर्माण केंद्रों में विभिन्नकिस्मकीप्रशिक्षण और शैक्षणिक पहलेंआयोजित कीं।

नवचयनित मुख्य सेविकाओं को दिया गया प्रशिक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद में नवचयनित मुख्य सेविकाओं का विकास भवन स्थित सरस हाल में 02 दिवसीय विभागीय प्रशिक्षण कराया गया। इस प्रशिक्षण में 24 मुख्य सेविकाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिन्हें बाल विकास परियोजना अधिकारियों के द्वारा विभागीय कार्य एवं पोर्टल के सम्बन्ध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने नवचयनित मुख्य सेविकाओं को विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुँचाना, प्रत्येक मुख्य सेविका की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

जिलाधिकारी ने सभी मुख्य सेविकाओं से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र में पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी माधुरी सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी खाद्य पदार्थों के विरुद्ध की कार्यवाही

कौशाम्बी। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवप्रताप तिवारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा सराय अकिल थाना क्षेत्र के पुरखास में प्रमेश कुमार की दुकान से खोया, दुर्गाप्रसाद की दुकान से सरसों का तेल का नमूना लिया गया। 43 लीटर सरसो का तेल सीज किया गया, जिसका मूल्य 7740 रुपए है।

ज्ञात हो कि खाद्य सुरक्षा टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नितिन कुमार, डॉ भरत कुमार मिश्रा एवं अरविंद कुमार सिंह शामिल रहे।

खार्डी दोहरे हत्याकांड के आरोपियों को 'वीआईपी ट्रीटमेंट' का आरोप, तांगडी परिवार का उप-जेल के बाहर धरना

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी तालुका के खारबाव रोड स्थित खार्डी में भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तांगडी और उनके सहयोगी तेजस तांगडी की 11 अगस्त को हुई नृशंस हत्या के मामले में अब एक नया विवाद सामने आया है। मृतकों के परिजनों ने आरोप लगाया है कि इस दोहरे हत्याकांड के आरोपियों को उप-जेल में पुलिस की मौजूदगी में 'वीआईपी ट्रीटमेंट' दिया जा रहा है। इसी के विरोध में तांगडी परिवार ने मंगलवार रात उप-जेल के बाहर धरना प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार, इस हत्याकांड में मुख्य साजिशकर्ता विक्की म्हात्रे सहित सात आरोपियों को भिवंडी तालुका पुलिस ने गिरफ्तार किया था। सभी आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं और उन पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मोका) के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। पूछताछ के लिए पिछले कुछ दिनों से आरोपियों को पुलिस स्टेशन लाया जा रहा था। इसी दौरान तांगडी परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में आरोपियों को उनके परिजनों द्वारा बिरयानी और घर का बना खाना उपलब्ध कराया जा रहा है।इसी के विरोध में मृतक प्रफुल्ल तांगडी की पत्नी सुशीला तांगडी के नेतृत्व में परिवार के सदस्यों ने उप-जेल के सामने धरना दिया। उन्होंने कहा कि जब तक दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं की जाती, वे आंदोलन जारी रखेंगे।सूचना मिलते ही भिवंडी तालुका पुलिस और गणेशपुरी पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। अधिकारियों ने जांच और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद लगभग तीन घंटे बाद धरना समाप्त हुआ।मृतक के भाई उमेश तांगडी ने बताया कि उन्होंने आरोपियों के परिवार को रात में जेलकर्मियों के माध्यम से खाना पहुंचाते देखा। उनका कहना है कि यदि इस मामले में संबंधित पुलिसकर्मियों पर निलंबन की कार्रवाई नहीं की गई, तो परिवार दोबारा बड़ा आंदोलन करेगा। पुलिस प्रशासन से संपर्क करने पर उनका कोई बयान नहीं मिल सका।

आर्थिक चुनौतियों के बीच संवेदनशील निर्णय- मनपा कर्मियों की दिवाली हुई खास

आयुक्त अनमोल सागर का सराहनीय निर्णय

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के कर्मचारियों के लिए इस साल की दिवाली खुशियों से भरी साबित होने वाली है। प्रशासक तथा आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) ने नगरपालिका के 4,123 कर्मचारियों के लिए दिवाली सानुग्रह अनुदान बढ़ाकर 14,500 रूपये स्वीकृत किया है। इस निर्णय से कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

पिछले वर्ष तत्कालीन आयुक्त द्वारा कर्मचारियों को 14,200 रूपये का सानुग्रह अनुदान दिया गया था। इस वर्ष कर्मचारी संघटनाओं ने आयुक्त से निवेदन कर बैठक बुलाने की मांग की थी, ताकि अनुदान में बढ़ोतरी की जा सके। उसी के तहत बुधवार, 15 अक्टूबर 2025 को आयुक्त सागर की अध्यक्षता में कर्मचारी संघटनाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में संघटनाओं की मांगों को सकारात्मक रूप से स्वीकार करते हुए आयुक्त ने स्पष्ट किया कि भले ही महानगरपालिका की आर्थिक स्थिति सामान्य न हो, लेकिन कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण को देखते हुए दिवाली का यह त्योहार उनके परिवारों के लिए आनंदमय होना चाहिए। इसी भावना से 14,500 रूपये का सानुग्रह अनुदान मंजूर किया गया। आयुक्त के इस फैसले का स्वागत करते हुए कर्मचारियों और संघटनाओं ने कहा कि यह कदम न केवल प्रशासन की संवेदनशीलता दर्शाता है, बल्कि इससे कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ेगा। सभी कर्मचारी वर्ग ने आयुक्त अनमोल सागर और महानगरपालिका प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

हरित भिवंडी की ओर कोनगांव पुलिस का कदम - वृक्षारोपण अभियान में लगाए गए 55 नए पौधे

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पर्यावरण संरक्षण और हरित परिसर के निर्माण के उद्देश्य से भिवंडी परिमंडल-2 के पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे के मार्गदर्शन में आज कोनगांव पुलिस थाना और अस्मिता टेक्सटाइल कंपाउंड परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी की उपस्थिति में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधों की रोपाई की गई। पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए कोनगांव पुलिस ने अब तक कुल 205 पौधों का सफलतापूर्वक रोपण किया है।आज के कार्यक्रम में 55 नए पौधे लगाए गए। सभी वृक्षों का जियो टैगिंग कार्य भी पूरा कर लिया गया है, जिससे इनकी नियमित निगरानी और देखभाल की जा सकेगी। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और हरित भिवंडी के निर्माण की दिशा में कोनगांव पुलिस का यह उपक्रम समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया है। 'एक पौधा - हरियाली की सौगात' इस संदेश के साथ पुलिस विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे भी वृक्षारोपण में सक्रिय रूप से भाग लें और 'हरित भिवंडी, स्वच्छ भिवंडी' के संकल्प को साकार करने में सहयोग दें।

सूरत में मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री में वाटर रीसाइक्लिंग प्लांट

मुंबई(संवाददाता) । पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा सूरत मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री स्थित अपने मौजूदा 60 केएलडी एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट को वाटर रीसाइक्लिंग प्लांट में परिवर्तित कर दिया गया है। यह नया अपग्रेडेशन पर्यावरण संरक्षण के लिए भारतीय रेल के प्रयासों का हिस्सा है। इसका उद्देश्य उपचारित अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग करना और प्रकृति को होने वाले नुकसान को कम करना है। एडवांस्ड ट्रीटमेंट टेक्नोलॉजी का लाभ उठाकर यह पहल इस बात का उदाहरण है कि रेलवे संचालन में संसाधन दक्षता, लागत बचत और दीर्घकालिक स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढाँचे को कैसे अनुकूलित किया जा सकता है।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सस्टेनेबल वाटर मैनेजमेंट की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा सूरत स्थित मैकेनाइज्ड लॉन्ड्री में अपने 60 केएलडी एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट को वाटर रीसाइक्लिंग प्लांट में सफलतापूर्वक परिवर्तित कर दिया गया है। रेलवे द्वारा की गई यह पहल उन्नत उपचार एवं पुनः उपयोग तकनीकों के माध्यम से जल संरक्षण और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के उनके निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

वाटर रीसाइक्लिंग प्लांट को कपड़े धोने के काम से निकलने वाले अपशिष्ट जल के ट्रिटमेंट और रीसाइक्लिंग के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रणाली अपशिष्ट जल को संसाधित करती है और उसे गैर-पेय उपयोगों, विशेष रूप से डिब्बों की धुलाई के लिए, उच्च गुणवत्ता वाले रीसाइकल वाटर में परिवर्तित करती है।

ट्रिटमेंट प्रक्रिया अपशिष्ट जल संग्रहण से शुरू होती है, जहाँ कपड़े धोने से उत्पन्न अपशिष्ट जल को पहले एक होल्डिंग टैंक में एकत्र किया जाता है। फिर यह एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट में प्रवेश करता है, जहाँ इसे कई उपचारों से गुज़ारा जाता है, जिसमें प्री-ट्रिटमेंट, रासायनिक और जैविक ट्रिटमेंट और दूषित पदार्थों को हटाने के लिए यूवी या क्लोरीन का उपयोग करके तृतीयक कीटाणुशोधन शामिल है। इसके बाद, पानी को वाटर रीसाइक्लिंग प्लांट में भेजा जाता है, जहाँ इसे रेत और मेम्बरेन फिल्टरेशन के माध्यम से और अधिक परिष्कृत किया जाता है, फिर अंतिम कीटाणुशोधन किया जाता है और फिर पुनः उपयोग के लिए संग्रहीत किया जाता है।

उपचार प्रक्रिया के प्रमुख लाभों में जल संरक्षण शामिल है, क्योंकि पानी का उपचार किया जाता है और प्रतिदिन पुनः उपयोग किया जाता है जिससे ताजे पानी पर निर्भरता कम होती है। इससे पानी की खरीद और सीवेज निपटान में कम खर्च के माध्यम से लागत में भी कमी आती है। पर्यावरणीय मानकों को पूरा करने के लिए अपशिष्ट जल के निर्वहन को कम करके पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा मिलता है। यह प्रक्रिया नियामक अनुपालन सुनिश्चित करती है, क्योंकि अपशिष्ट जल उपचार और पुनः उपयोग आवश्यक मानदंडों को पूरा करते हैं। इसके अतिरिक्त, यह लागत-प्रभावी और टिकाऊ कपड़े धोने के संचालन को सक्षम बनाकर परिचालन दक्षता को बढ़ाता है। उपचारित पानी का उपयोग मुख्यतः डिब्बों की धुलाई के लिए किया जाता है, जो एक उच्च जल-खपत वाली प्रक्रिया है। पानी के इस पुनः उपयोग से ताजे पानी की आवश्यकता कम हो जाती है और एडवांस्ड फिल्टरेशन एंड डिसइंफेक्शन सिस्टम के माध्यम से सफाई दक्षता भी बनी रहती है।

एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट से वाटर रीसाइक्लिंग प्लांट में परिवर्तन पश्चिम रेलवे के पर्यावरण स्थिरता अभियान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह पहल न केवल मूल्यवान जल संसाधनों का संरक्षण करती है, बल्कि रेलवे की अपने पूरे नेटवर्क में हरित और कुशल संचालन की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

कंपनियां जहर बेच रही हैं, अपनी सेहत का ख्याल खुद रखें-बृजभूषण शरण सिंह

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के करनैलगंज क्षेत्र के कूरी बरगदी गांव में आयोजित राजकीय इंटर कॉलेज के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने मंच से लोगों को संबोधित करते हुए खाद्य पदार्थों में बढ़ती मिलावट पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज बाजार में बिक रहा सरसों तेल असली नहीं, बल्कि 'जहर' बन चुका है।

कार्यक्रम में बृजभूषण शरण सिंह और कुंवर शारदेन मोहन सिंह ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर कॉलेज निर्माण का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा 'आज सरसों 60 से 65 रुपये किलो है और 3 किलो सरसों से मुश्किल से 1 लीटर तेल निकलता है। लेकिन बाजार में तेल 130 से 180 रुपये प्रति लीटर तक बिक रहा है – सोचिए, ये कौन-सा तेल है? हम जहर खा रहे हैं या तेल?

उन्होंने कहा कि आज की कंपनियां मुनाफे के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रही हैं, इसलिए लोगों को घरेलू और प्राकृतिक चीज़ें अपनाने की जरूरत है। 'हम अपने घर का दूध पीते हैं, जहर नहीं खिलाते' बृजभूषण ने आगे कहा कि 'हम अपने घर पर गाय पालते हैं, उसी के दूध से मिठाई बनवाते हैं। हमारे घर आने वाले मेहमानों को हम जहर नहीं, बल्कि मीठा खिलाते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे मिठाई की जगह गुड़ खाने की आदत डालें और स्थानीय उत्पादों पर भरोसा करें।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के 'सांड राज खत्म होना चाहिए' वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बृजभूषण ने कहा, 'अखिलेश यादव की भाषा और संकेत समझ में नहीं आते। वे इशारों में बात करते हैं, जिसमें हमेशा रहस्य छिपा होता है। वहीं आज़म खान द्वारा सुरक्षा लेने से मना किए जाने पर उन्होंने कहा कि सरकार ने किसी खतरे की संभावना देखते हुए यह कदम उठाया होगा, ताकि कोई घटना न घटे या साजिश के तहत सरकार पर आरोप न लगे।

बृजभूषण ने कहा कि प्रशासन द्वारा छापेमारी अभियान जारी है और लोगों में अब सतर्कता बढ़ी है, लेकिन समस्या का पूरी तरह समाधान अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि असली दूध पर निर्भर होने की स्थिति में देश में प्रति व्यक्ति केवल एक-दो चम्मच दूध ही मिल पाएगा। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने खुद एक जगह नकली घी बनाने की सूचना पुलिस को दी थी, लेकिन छापा पड़ने से पहले ही जानकारी लीक हो गई।

हरियाणा में हाल ही में हुई आईपीएस अधिकारी की आत्महत्या के सवाल पर बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि जांच का यह कदम एक संयोग हो सकता है और इसकी सच्चाई जांच के बाद ही सामने आएगी। फिलहाल इस घटना पर किसी को राजनीति नहीं करनी चाहिए।

फतेहपुर का दौरा करेंगे राहुल गांधी, मृतक हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से करेंगे मुलाकात

लखनऊ **(एजेंसी)**। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले का दौरा करेंगे। वह हरिओम वाल्मीकि के परिवार से मिलेंगे। हरिओम वाल्मीकि एक दलित व्यक्ति थे, जिन्हें इस महीने की शुरुआत में रायबरेली जिले में चोर समझकर पीट-पीट कर मार डाला गया था। कांग्रेस नेता के कार्यक्रम के मुताबिक, गांधी बृहस्पतिवार सुबह दिल्ली से आठ बजे एक विशेष विमान से कानपुर पहुंचेंगे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से फतेहपुर जाएंगे तथा 9.15 से 9.45 बजे तक पीड़ित के परिवार से मिलेंगे। फिर वह कानपुर लौटकर अपने दिन भर के दौरे के दूसरे हिस्से के लिए असम जाएंगे।

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को कहा कि गांधी के दौरे का मकसद दुखी परिवार के साथ एकजुटता दिखाना और उन्हें न्याय का भरोसा दिलाना है। राय ने बताया, 'राहुल गांधी शुरू से ही इस मामले पर करीब से नजर रख रहे हैं और उन्होंने पीड़ित परिवार से बात की है। उनके दौरे का मकसद अन्याय के शिकार लोगों के साथ खड़े रहने के कांग्रेस

पार्टी के वादे को फिर से पक्का करना है।' फतेहपुर जिले के हरिओम वाल्मीकि को दो अक्टूबर की रात पड़ोसी जिले रायबरेली के ऊंचाहार इलाके के जमुनापुर गांव के पास चोर समझकर पीट-पीटकर मार डाला गया था। इस घटना से जनाक्रोश फैल गया।

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी पार्टियों ने भाजपा सरकार पर दलितों की सुरक्षा करने और भीड़ की हिंसा को रोकने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। हमले के बाद, पुलिस ने मामला दर्ज किया और अब तक 14 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें मुख्य आरोपी भी शामिल है। मुख्य आरोपी को 10 अक्टूबर को एक मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया था। इस मामले में कथित लापरवाही के लिए दो उपनिरीक्षक समेत पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि इस घटना में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है, जिनमें से कुछ पड़ोसी जिलों या राज्यों में भाग गए होंगे। रायबरेली पुलिस ने साफ़ किया कि गिरफ़्तार किए गए लोग दलित और पिछड़े समुदायों समेत अलग-अलग जातियों के हैं। उसने लोगों से इस घटना को जाति का रंग न देने की अपील की। इस मामले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी प्रतिक्रिया दी, जो 11 अक्टूबर को लखनऊ में वाल्मीकि की पत्नी संगीता वाल्मीकि और परिवार के दूसरे सदस्यों से मिले थे।

आदित्यनाथ ने उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया और एक पक्की सरकारी नौकरी, मुख्यमंत्री आवासीय योजना के तहत घर और राज्य के कल्याण कार्यक्रमों का लाभ दिलाने घोषणा की थी। आदित्यनाथ ने कहा था कि आरोपियों को 24 घंटे के अंदर गिरफ़्तार कर लिया गया और दलितों और पिछड़े समुदायों की सुरक्षा एवं सम्मान पक्का करना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

एसपी को हाई कोर्ट में मांगना पड़ा माफी, 2 लोगों को 7 दिन तक अवैध हिरासत का आरोप

फर्रुखाबाद **(एजेंसी)**। इलाहाबाद हाई कोर्ट में बुधवार को पुलिस अधीक्षक आरती सिंह माफी मांगनी पड़ी। दरअसल, आरती सिंह ने 2 लोगों को अवैध हिरासत में लेकर 7 दिन तक बैठाकर रखा था। मिली जानकारी के अनुसार, वकील संतोष पांडे ने फतेहगढ़ निवासी प्रीति यादव की ओर से एक हेवियस कॉर्पस यानी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका हाई कोर्ट में दाखिल की थी। पुलिस अधीक्षक और पुलिस पर अवैध तरीके से दो लोगों को हिरासत में रखने का आरोप लगाया गया। इसके बाद 8 सितंबर को कायमगंज थाने की पुलिस ने रात में प्रीति यादव के घर में घुस गई थी।

हाई कोर्ट में दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर आज यानी की बुधवार को भी सुनवाई हुई। फर्रुखाबाद की प्रीति यादव की ओर से इस संबंध में याचिका दाखिल की गई है। हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस के बाद फैसला रिजर्व कर लिया है। बुधवार को हाई कोर्ट में करीब डेढ़ घंटे तक आज मामले की सुनवाई हुई। मामले में एसपी फर्रुखाबाद आरती सिंह ने हलफनामा दाखिल किया है।

मायावती ने पदाधिकारियों की बुलाई बैठक

चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं संग लेकर सकती हैं बड़ा फैसला

लखनऊ **(एजेंसी)**। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती बृहस्पतिवार को लखनऊ में पार्टी के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों की एक अहम बैठक को संबोधित करेंगी।

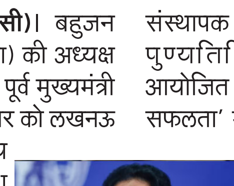

बसपा द्वारा बुधवार को यहां जारी एक बयान के मुताबिक, मायावती द्वारा पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पूर्वाह्न 11 बजे बुलायी गयी इस बैठक में विगत नौ अक्टूबर को बसपा संस्थापक कांशीराम की 19वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित रैली की 'ऐतिहासिक सफलता' में पार्टी पदाधिकारियों और समर्थकों के योगदान की सराहना और आभार व्यक्त किया जाएगा। पार्टी के मीडिया आमंत्रण के मुताबिक, मायावती इस बैठक में सभी स्तरों पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त करेंगी और पार्टी की भविष्य की कार्ययोजना के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी देंगी।

भाजपा नेता को बांधकर पीटा, पहले 4-5 थप्पड़, फिर 40 मिनट लगातार मारने वाला सेक्योरिटी इंचार्ज गिरफ्तार

गोरखपुर **(एजेंसी)**। मुख्यमंत्री के शहर गोरखपुर में एक सिक्योरिटी इंचार्ज ने भाजपा नेता को 40 मिनट तक बंधक बनाकर पिटाई की। घटना की सूचना पर बीजेपी कार्यकर्ता और पुलिस पहुंची। दोनों पक्षों को थाने ले गई। बीजेपी नेता की शिकायत पर कोतवाली में 4 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

आपको बता दें कि मारपीट का यह मामला मंगलवार का है। पीड़ित भाजपा नेता का आरोप है कि आकाशवाणी के बाहर एक मीडिया संस्थान को इंटरव्यू देने गए थे। मगर गार्ड ने वहां पर वीडियो बनाने से मना कर दिया। मैंने विरोध किया तो वह भड़क गया। इसके बाद मुझे पीट दिया।

पीड़ित भाजपा के जिला उपाध्यक्ष बृजेश मणि मिश्रा ने बताया- मंगलवार यानी 14 अक्टूबर को एक मीडिया संस्थान ने नगर निगम के पास इंटरव्यू के लिए बुलाया था। जब हम आकाशवाणी पहुंचे और थोड़ा प्राइवेसी मांगते हुए गेट पर बैठे गार्ड से अनुमति मांगी। उसी समय सिक्योरिटी इंचार्ज देव भूषण सिंह पहुंचे और परिसर में वीडियो रिकॉर्डिंग पर आपत्ति जताई। जबकि मैंने सिक्योरिटी इंचार्ज को अपना परिचय दिया। उनसे कहा कि मैं भाजपा का जिला उपाध्यक्ष और गोरखनाथ संस्कृत विद्यापीठ में पढ़ाता हूं। कुछ मिनट की रिकॉर्डिंग करना चाहते हैं और इसके लिए रजिस्टर में एंट्री भी करने को तैयार हैं।

जिला उपाध्यक्ष के पिटाई की सूचना पर परिसर के बाहर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुट गए।

भारत बनाम पाकिस्तान, सुल्तान जोहोर कप: दो गोल से पिछड़ने के बाद भारत की शानदार वापसी, मुकाबला 3-3 से ड्रॉ

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सुल्तान जोहर कप 2025 के ग्रुप मुकाबले में भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ रोमांचक प्रदर्शन करते हुए 3-3 की बराबरी हासिल की। यह मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने अद्भुत जज़्बा और धैर्य दिखाया।

मलेशिया में खेले जा रहे इस मैच में भारत ने शुरुआत में गेंद पर अच्छा नियंत्रण बनाया और तीसरे मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, लेकिन गोल नहीं हो सका। इसके तुरंत बाद पाकिस्तान ने पलटवार किया और पांचवें मिनट में कप्तान हनन शाहिद ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल करते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई।

पहले क्वार्टर के बाद पाकिस्तान का आत्मविश्वास बढ़ गया। 10वें मिनट में उन्हें एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन भारत की डिफेंस ने इस बार गोल रोक दिया। भारतीय टीम ने लगातार आक्रामक प्रयास किए, पर स्कोर बराबर नहीं कर पाई और पहला क्वार्टर पाकिस्तान के पक्ष में 1-0 से समाप्त हुआ।

दूसरे क्वार्टर में पाकिस्तान ने अपनी बढ़त बनाए रखी, जबकि भारत को झटका तब लगा जब अनमोल एक्का को 20वें मिनट में येलो कार्ड मिला। टीम को अगले 10 मिनट एक खिलाड़ी कम के साथ खेलना पड़ा। इसके बावजूद भारत ने डिफेंस में अनुशासन दिखाया और हाफ टाइम तक पाकिस्तान को दूसरा गोल करने से रोक दिया।

ब्रेक के बाद भारत ने नई रणनीति के साथ मैदान संभाला। टीम ने गेंद पर कब्जा बनाए रखते हुए आक्रामक मूव बनाए, लेकिन पाकिस्तान ने काउंटरअटैक में जवाब दिया। 39वें मिनट में सुफ़यान खान ने पेनल्टी कॉर्नर पर शानदार गोल कर पाकिस्तान की बढ़त 2-0 कर दी।

हालांकि, भारतीय खिलाड़ियों ने हार नहीं मानी। 43वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला और अराइजित सिंह हुंडल ने गोल कर स्कोर 1-2 किया।

चौथे क्वार्टर की शुरुआत में पाकिस्तान को फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला, मगर भारत की डिफेंस ने उसे नाकाम कर दिया। इसके बाद भारत ने पलटवार किया – 47वें मिनट में सौरभ आनंद कुशवाहा ने फील्ड गोल कर मैच 2-2 से बराबर कर दिया।

सिर्फ छह मिनट बाद मनमीत सिंह ने शानदार फिनिशिंग के साथ भारत को 3-2 की बढ़त दिलाई, लेकिन 55वें मिनट में पाकिस्तान के सुफ़यान खान ने एक और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर मुकाबले को 3-3 पर समाप्त कर दिया। इस ड्रॉ के साथ भारत टूर्नामेंट में अजेय बना हुआ है। दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। भारत का अगला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से 15 अक्टूबर को शाम 6:05 बजे खेला जाएगा।

शुभमन गिल ने अभी तक कप्तानी के सबसे बुरे दिनों का सामना नहीं किया है : गंभीर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि शुभमन गिल के लिए कप्तानी के अभी शुरुआती दिन हैं और उन्होंने अभी तक अपने सबसे कठिन दिनों का सामना नहीं किया है। गंभीर ने गिल की दबाव और कठिन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता की तारीफ़ की। गिल ने रोहित शर्मा के स्थान पर भारतीय टेस्ट टीम की कमान संभाली और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में 2-2 से ड्रॉ कर शानदार शुरुआत की।

गिल का यह पहला पूर्णकालिक टेस्ट कप्तानी कार्यकाल चुनौतीपूर्ण रहा। दिल्ली में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट में सात विकेट से जीत के साथ उन्होंने भारतीय कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीत दर्ज की। गंभीर ने बताया कि गिल ने अपनी टीम को दबाव में भी संभालने की क्षमता दिखाई और यह दिखाया कि वह मुश्किल हालात में भी शांत रह सकते हैं।

गंभीर ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका कर्तव्य है कि वह गिल के कंधों से दबाव और आलोचना को कम करें, बशर्ते गिल टीम के लिए सही निर्णय लें और ड्रेसिंग रूम में ईमानदार और पारदर्शी रहें। उन्होंने कहा, 'अब तक, वह शानदार रहे, पारदर्शी, मेहनती और टीम के हित में निर्णय लेने वाले। एक कोच इससे अधिक क्या उम्मीद कर सकता है?'

गंभीर ने इंग्लैंड दौरे को गिल की कप्तानी की सबसे कठिन परीक्षा बताया। उन्होंने याद किया कि गिल को युवा टीम के साथ एक बेहतरीन इंग्लैंड टीम के सामने खड़ा किया गया। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड में बनाए गए रन महत्वपूर्ण नहीं थे, बल्कि दबाव में टीम का नेतृत्व करना असली परीक्षा थी। उन्होंने गिल की नेतृत्व क्षमता और मानसिक मजबूती की सराहना की।

गंभीर ने कहा कि गिल ने 25 दिनों के कड़े क्रिकेट के दौरान कभी निराशा या दबाव का संकेत नहीं दिखाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए नेतृत्व किया और टीम को एकजुट रखा। गंभीर के अनुसार, गिल अब और भविष्य में हर सफलता के हक़दार हैं, क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी खुद को साबित किया। वेस्टइंडीज़ पर टेस्ट सीरीज़ जीत के बाद, गिल अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे श्रृंखला की तैयारी कर रहे हैं। गंभीर ने उम्मीद जताई कि गिल आगामी सीरीज़ में भी दबाव में शांत और प्रभावशाली नेतृत्व दिखाएंगे। गिल के लिए यह नया अनुभव उनकी कप्तानी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।

जीएसटी दर में कटौती, त्योहारी उत्साह से सितंबर में वाहनों बिक्री ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जीएसटी सुधारों और त्योहारों के उत्साह से यात्री वाहन एवं दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री/आपूर्ति सितंबर में बढ़ी। इससे उद्योग के लिए चालू वित्त वर्ष के सकारात्मक अंत की उम्मीद बढ़ गई है। उद्योग संगठन सियाम ने बुधवार को यह जानकारी दी। यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर चार प्रतिशत बढ़कर 3, 72, 458 इकाई हो गई जबकि सितंबर, 2024 में यह 3, 56, 752 इकाई था।

सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बयान में कहा कि सितंबर में दोपहिया वाहनों की बिक्री सात प्रतिशत वृद्धि के साथ 21, 60, 889 इकाई रही जबकि सितंबर, 2024 में यह 20, 25, 993 इकाई थी। तिपहिया वाहनों की बिक्री बढ़कर 84, 077 इकाई हो गई। यह सितंबर, 2024 के 79, 683 इकाई की तुलना में 5.5 प्रतिशत अधिक है। सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा, ''22 सितंबर से (केवल नौ दिनों के लिए) नई माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरें लागू होने के बाद यात्री वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों ने सितंबर में अपनी अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की है।''

उन्होंने कहा कि भविष्य में प्रमुख अनुकूल परिस्थितियों से इस क्षेत्र का परिदृश्य उत्साहजनक बना हुआ है। चंद्रा ने कहा, ''जीएसटी 2.0 सुधार सरकार का एक ऐतिहासिक निर्णय है, जो भारतीय मोटर वाहन उद्योग को अगले स्तर पर पहुंचाने के अलावा पूरी अर्थव्यवस्था में जीवंतता लाएगा...'' सियाम के अनुसार, यात्री वाहनों की बिक्री जुलाई-सितंबर तिमाही में 10, 39, 200 इकाई रही, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 10, 55, 137 इकाई की तुलना में 1.5 प्रतिशत कम है।

जुलाई-सितंबर 2025 में दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 55, 62, 077 इकाई हो गई। वहीं तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2, 29, 239 इकाई रही। चंद्रा ने कहा कि तिमाही के पहले दो महीनों में गिरावट देखी गई और बिक्री में सुधार केवल सितंबर में नजर आया। जीएसटी में कटौती से उपभोक्ता भावना में सुधार और त्योहारों की शुरुआत इसकी मुख्य वजह रही।

महिला विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए भारत पर जुर्माना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विशाखापत्तनम में रविवार (12 अक्टूबर) को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए भारत पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। गत चैंपियन टीम ने भारत के 330 रनों के लक्ष्य को एक ओवर और तीन विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।

समय सीमा को ध्यान में रखते हुए पाया गया कि भारत अपने लक्ष्य से एक ओवर पीछे था। यह जुर्माना एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के मिशेल पेरेरा ने लगाया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.22 के अनुसार - जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है - खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड स्वीकार कर लिया, जिसका अर्थ है कि किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं थी। यह आरोप मैदानी अंपायर सू रेडफर्न और निमाली परेरा, तीसरे अंपायर किम कॉटन और चौथे अंपायर जैकलीन विलियम्स द्वारा लगाया गया था।

चीन के एक फैसले से ऑटो उद्योग में मचा हड़कंप, कंपनियों को उत्पादन रोकने का खतरा

बीजिंग **(एजेंसी)**। चीन ने रेयर अर्थ मेटल्स और संबंधित टेक्नोलॉजी के एक्सपोर्ट पर कड़े नियम लागू कर दिए हैं, जिससे दुनिया की ऑटो और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) इंडस्ट्री में हड़कंप मच गया है। जर्मनी और इटली की ऑटो कंपनियों ने चेतावनी दी है कि इससे बैटरी और सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन पर गंभीर असर पड़ेगा। कंपनियों ने चेतावनी दी है अगर इस समस्या समधान नहीं हुआ तो कंपनियों को प्रोडक्शन बंद करना पड़ेगा। चीन की कॉमर्स मिनिस्ट्री के अनुसार यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के तहत उठाया गया है ताकि संवेदनशील क्षेत्रों में मेटल्स का गलत इस्तेमाल रोका जा सके। हालांकि, इस फैसले से अंतरराष्ट्रीय तनाव बढ़ने की संभावना भी है। यूरोप की प्रमुख ऑटो इंडस्ट्री संगठन वीडीए और इटली की एएनएफआईए ने कहा है कि नए नियम जर्मनी और यूरोप में ऑटो पाट्र्स की सप्लाई को प्रभावित कर सकते हैं और सरकारों से समाधान की मांग की है। रेयर अर्थ मेटल्स जैसे नियोडिमियम, डिसप्रोसियम और टर्बियम ईवी मोटर, बैटरी और सेमीकंडक्टर बनाने में अहम हैं। आईएनजी बैंक के सीनियर इकॉनॉमिस्ट रिको लुमन के अनुसार, चीन वैश्विक रिफाइनिंग कैपेसिटी का करीब 90इ नियंत्रित करता है, जिससे सप्लाई बॉटलनेक बन गया है। विश्व स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में चीन का नया एक्सपोर्ट नियम यूरोप, अमेरिका और भारत जैसे देशों के लिए रणनीतिक चुनौती बन सकता है। ऑटो इंडस्ट्री को वैकल्पिक सोर्स और लोकल मैन्युफैक्चरिंग की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाने होंगे, अन्यथा आने वाले महीनों में यूरोप के ऑटो प्रोडक्शन और कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

फीफा क्वालिफायर में रोनाल्डो ने रचा इतिहास, मेसी से आगे निकले

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। फुटबॉल के महानतम गोलस्कोरर्स में शुमार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। हंगरी के खिलाफ फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में उन्होंने दो गोल दागकर नया रिकॉर्ड बनाया। हालांकि मैच 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन रोनाल्डो की यह शानदार परफॉर्मेंस चर्चा में रही। पहले हाफ के 22वें मिनट में रोनाल्डो ने क्लोज रेंज से गोल दागा और अपने वर्ल्ड कप क्वालिफायर करियर का 40वां गोल पूरा किया। इस गोल के साथ उन्होंने ग्वाटेमाला के पूर्व खिलाड़ी कार्लोस रुइज़ (39 गोल) को पीछे छोड़ दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में उन्होंने एक और गोल कर रिकॉर्ड को 41 तक पहुंचा दिया। इसके साथ ही रोनाल्डो के नाम अब सबसे ज़्यादा वर्ल्ड कप क्वालिफायर गोल (41) हैं – जो उन्हें लियोनेल मेसी (36) से काफी आगे ले जाता है। वहीं मेसी ने अब तक 72 क्वालिफायर मैचों में 36 गोल किए हैं।

मैच में 78वें मिनट तक पुर्तगाल 2-1 से आगे था, लेकिन हंगरी के डोमिनिक स्जोबोज़लाइ ने इंजरी टाइम में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। मैच के बाद रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर लिखा – 'हम अपने लक्ष्य के करीब हैं! चलो पुर्तगाल!'

कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने माना कि टीम आखिरी 10 मिनट में मैच को सही तरह से मैनेज नहीं कर पाई। फिर भी, इस ड्रॉ के बावजूद पुर्तगाल ग्रुप एफ में 10 अंकों के साथ टॉप पर बना हुआ है।

हम हार से नहीं सीख रहे, बांग्लादेश के कप्तान मेहदी हसन ने जताई चिंता

ढ़ाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश के वनडे कप्तान मेहदी हसन ने अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेले गए तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में टीम की प्रदर्शन पर चिंता जताई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि टीम अपनी गलतियों से सीख नहीं पा रही है, जिसके परिणामस्वरूप लगातार खराब नतीजे सामने आ रहे हैं। मेहदी का मानना है कि बल्लेबाज़ों की जिम्मेदारी और मानसिक मजबूती टीम की सफलता के लिए बेहद जरूरी है, और इसमें सुधार के बिना आगामी सीरीज़ में चुनौती बढ़ सकती है।

तीन मैचों की वनडे सीरीज में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को हर मोड़ पर मात दी। पहले मैच में बांग्लादेश सिर्फ 30 ओवर तक टिक पाया और दूसरे मैच में 28.3 ओवर में 109 रन पर ऑलआउट हो गया। सीरीज के अंतिम मैच में स्थिति और भी गंभीर हो गई, जब टीम 27.1 ओवर में 93 रन पर ढेर हो गई। मेहदी हसन ने कहा कि टीम का प्रदर्शन केवल कमजोर नहीं, बल्कि जिम्मेदारी की कमी के कारण संघर्षपूर्ण रहा।

मेहदी हसन ने बल्लेबाज़ों को चेतावनी दी कि उन्हें अब हर पारी में 50 ओवर खेलने का लक्ष्य रखना होगा। उन्होंने कहा, 'पिछले दो मैचों में हम ऐसा नहीं कर पाए, और यह स्वीकार करना होगा कि हमने पूरी टीम के रूप में खराब प्रदर्शन किया। अगर बल्लेबाज़ ज़िम्मेदारी नहीं लेंगे, तो परिणाम हमेशा नकारात्मक होंगे।' कप्तान ने यह भी कहा कि सुधार का मतलब केवल तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि मानसिक मजबूती और सही निर्णय लेना भी है।

मेहदी ने टीम के मानसिक पक्ष पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ और वह खुद टीम को मानसिक रूप से तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं। कप्तान ने जोड़ा कि परिवार के साथ समय बिताने से खिलाड़ियों को मानसिक राहत मिलेगी, जिससे आगामी वेस्टइंडीज श्रृंखला में बेहतर प्रदर्शन संभव होगा।

बांग्लादेश के प्रमुख बल्लेबाज़ लिटन दास, जो साइड स्ट्रेन के कारण अफगानिस्तान श्रृंखला से बाहर थे, अभी मेडिकल क्लियरेंस का इंतजार कर रहे हैं। सूत्रों का मानना है कि वह आगामी वेस्टइंडीज वनडे श्रृंखला में शामिल नहीं हो सकते। उनके उपलब्ध होने या न होने से टीम की बल्लेबाजी इकाई पर असर पड़ सकता है।

मेहदी हसन ने स्पष्ट किया कि अब प्रत्येक खिलाड़ी को प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेनी होगी। कप्तान ने कहा, 'हर खिलाड़ी को समझना होगा कि टेस्ट और वनडे में लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए न केवल कौशल बल्कि मानसिक दृढ़ता भी जरूरी है। अगर हम जल्दी सुधार नहीं करते हैं, तो आने वाली सीरीज़ में चुनौती और बढ़ सकती है।'

भारत ने सितंबर में रूस से 2.5 अरब यूरो का कच्चा तेल खरीदा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता भारत ने सितंबर में रूस से कच्चा तेल खरीदने में 2.5 अरब यूरो खर्च किए, जो अगस्त की तुलना में 14 प्रतिशत कम है। यह जानकारी एक यूरोपीय शोध संस्थान ने दी। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत सितंबर में रूसी ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा। उससे अधिक 5.5 अरब यूरो की खरीद चीन ने की। भारत की रूस से कुल खरीद में कच्चा तेल 77 प्रतिशत (2.5 अरब यूरो), कोयला 13 प्रतिशत (45.2 करोड़ यूरो) और तेल उत्पाद 10 प्रतिशत (34.4 करोड़ यूरो) रहा।

सीआरईए ने कहा, ''पिछले महीने भारत की रूस से कच्चे तेल की आयात मात्रा लगभग 16 लाख बैरल प्रतिदिन थी, जो मासिक आधार पर नौ प्रतिशत कम है। इसके अलावा यह इस साल फरवरी के बाद का सबसे निचला स्तर भी रहा।'' सितंबर महीने में आई इस गिरावट का मुख्य कारण यह है कि सार्वजनिक स्वामित्व वाली तेल रिफाइनरियों ने रूस से आयात करीब 38 प्रतिशत कम कर दिया। यह मई, 2022 के बाद का सबसे कम आयात है।

सीआरईए ने कहा कि भारत ने रूस से आयातित तेल का कुछ हिस्सा पेट्रोल और डीजल में बदलकर यूरोप और अन्य जी-सात देशों को निर्यात किया।

मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में तारा सुतारिया और वीर पहारिया की रोमांटिक केमिस्ट्री ने लूटी महफिल, तस्वीरें वायरल

तारा सुतारिया और वीर पहारिया अपनी ताज़ा तस्वीरों से शहर में धूम मचा रहे हैं। फैशन शो और इवेंट्स में एक-दूसरे को किस करते हुए नज़र आने वाले ये दोनों, मनीष मल्होत्रा की सालाना दिवाली पार्टी में पहली बार साथ नज़र आए। हीरोपंती 2 के इस एक्टर ने अपनी शाम की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिन्हें देखकर फैन्स दंग रह गए। इस भव्य पार्टी में शामिल हुए सितारों के तमाम वायरल वीडियो के बीच, वीर पहारिया और तारा सुतारिया की एक क्लिप ने सबका ध्यान खींचा।

शाम की खासियतों में से एक, तारा सुतारिया और वीर पहारिया हाथों में हाथ डाले रेड कार्पेट पर चले, और पहली बार एक जोड़े के रूप में सार्वजनिक रूप से नज़र आए। उनका प्रवेश समारोह के सबसे चर्चित पलों में से एक बन गया, क्योंकि वे एक साथ आए और मीडिया और मेहमानों ने उनकी तस्वीरें खींचीं।

तारा और वीर के इंडस्ट्री के दोस्तों ने, प्रशंसकों के साथ, तस्वीरों पर प्यार बरसाया। कनिका कपूर, ओरी, टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ और खुद होस्ट मनीष मल्होत्रा ने तस्वीरों की तारीफ की। फैन्स ने लिखा, 'खूबसूरत', 'बहुत खूबसूरत, बहुत खूबसूरत, बिल्कुल वाह लग रही हो', 'यह जोड़ी', 'बहुत खूबसूरत', और भी बहुत कुछ।

यह सब तब शुरू हुआ जब तारा सुतारिया और वीर पहरिया को एक साथ सार्वजनिक समारोहों में देखा गया। इसके तुरंत बाद, एक फैशन शो के वीडियो में, तारा ने रैंप वॉक किया और आगे की पंक्ति में बैठे स्काई फ़ोर्स अभिनेता की ओर एक फ्लाइंग किस उड़ाया। यह पल वायरल हो गया और फैन्स खुशी से झूम उठे।

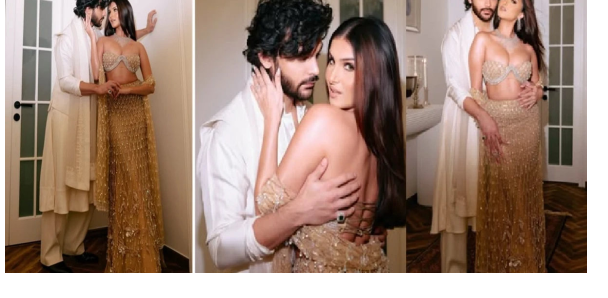

जुलाई में तारा और वीर की डेटिंग की अफवाहें शुरू होने के तुरंत बाद, तारा रणवीर इलाहाबादिया के पॉडकास्ट पर दिखाई दीं, जहाँ उन्होंने अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बात की। हालाँकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन अभिनेता ने साझा किया, 'मैं अभी बहुत खुश हूँ! हाँ! मैं चाँद पर बहुत खुश हूँ, ' तारा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और उनके साथी कभी साथ में चाँद देखते हैं, तो वह शरमा गईं और आगे कहा, 'हाँ, यह वास्तव में एक मजेदार अनुभव है। चौदहवीं का चाँद जैसा माहौल।' वर्कफ्रंट की बात करें तो, तारा आखिरी बार अपूर्वा में नज़र आई थीं। जहां तक वीर की बात है तो उन्होंने अक्षय कुमार के साथ स्काई फोर्स से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

महाराष्ट्र शासन
कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई विद्युत विभाग, सा.बां.विभाग,
राज्य कामगार विमा योजना रुग्णालय आवार, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, मुलुंड (प), मुंबई ४०० ०८०
ई मेल पत्ता : -elnorthmumbai.ee@mahapwd.gov.in
दूरध्वनी क्रमांक : ०२२-२५६०१३२७

ई-निविदा सुचना क्र.४१/२०२५-२६

कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई विद्युत विभाग, मुलूंड, मुंबई हे महाराष्ट्र शासनाकडील विद्युत ठेकेदार लिफाफा क्र.१ अनुसार यांचे कडून खालील कामाकरिता ब-१ टक्के वारी नमुन्यातील निविदा, ई-निविदा प्रणालीद्वारे दहत्हा मागवित आहेत. निविदा कागदपत्र शासनाच्या संकेतस्थळावर http://mahatenders.gov.in येथून डाऊनलोड करण्यांत यावी तसेच निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई विद्युत विभाग, मुलुंड, मुंबई यांनी राखून ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्विकारली जाणार नाही.

कामाचे नांव	निविदा रक्कम रुपये :
१. अंदाजपत्रक क्र. १२३००५/२०२५-२६ अन्न व औषध प्रशासन, चौथा मजला, बीकेसी, बांद्रा (पूर्व), मुंबई- ४०००५१ येथील कॉन्फरन्स हॉलमध्ये व्हिडिओ कॉन्फरन्स प्रणाली व सर्व्हर रूम, अँटी-चेंबर्स व अतिथी कक्षामध्ये स्प्लिट प्रकारच्या वातानुलुकीत यंत्रणेची व्यवस्था करणे.	रूपये १०७२६९४ /-
२. अंदाजपत्रक क्र. १२३०२५/२०२५-२६ डॉ. रांगणेकर सभागृहातील मिटिंग रूम व कॉन्फरन्स हॉल, अन्न व औषध प्रशासन, प्रशासकीय इमारत, पहिला मजला, बीकेसी विभाग, बांद्रा (पूर्व), मुंबई ४०००५१ येथे व्हिडिओ कॉन्फरन्स प्रणाली, ऑडिओ प्रणाली व एलसीडी प्रोजेक्टर पुरविणे.	रूपये १७६६६६६ /-
३. अंदाजपत्रक क्र. २२२०२५/२०२५-२६. सीटीएस क्र. ६२९ वरील नवीन बांधकाम झालेल्या शासकीय निवासी इमारतींमध्ये इमारत क्र. C-1, A-1, B-1, A-2, B-2 आणि B-3 (तळमजला + १६ वा मजला), शासकीय कर्मचारी वसाहत, वांद्रे (पूर्व), मुंबई - ४०००५१ येथे कंत्राटी पद्धतीने उद्वाहनचालक उपलब्ध करून देणे.	रूपये १९६७७६० /-
४. अंदाजपत्रक क्र. २३३००१/२०२५-२६. मुंबईतील तहसीलदार कार्यालय इमारत बोरिवली (पश्चिम) येथे G+५ वरच्या मजल्यासाठी ६ प्रवासी/४०८ किलो इलेक्ट्रिक ट्रॅक्शन लिफ्टची क्षमता असलेल्या २ लिफ्ट (लिफ्ट क्रमांक १ आणि २) बदलण्याची सुविधा.	रूपये ४६५३८४७/-
५. अंदाजपत्रक क्र. १३३००६ / २०२५-२६. कांदिवली पोलिस क्वार्टर्स, कांदिवई (पश्चिम), मुंबई येथे टाइप III, १ इमारत (२० क्वार्टर्स), पोलिस क्वार्टर्स इमारतीच्या नागरी नूतनीकरणाच्या कामांमुळे बाधित झालेल्या ईआय जिन्याचे नूतनीकरण करणे आणि मीटर केबिन स्विचगियर, इलेक्ट्रिकल केबल्स आणि स्ट्रीट लाईट्स पुरवणे.	रूपये १२६१९२६ /-
६. अंदाजपत्रक क्र. २४१००७/२०२५-२६, नवीन महाराष्ट्र सदन नवी दिल्ली येथील स्थापित असलेल्या HVAC लोअरसाइड सिस्टीम (AHU, FCU, TFA, एक्झॉस्ट, कुलिंग टॉवर इ.) साठी अर्धसमावेशक वार्षिक देखभाल करार करणे. (कालावधीः ३ वर्ष)	रूपये ११४६९७३४ /-

ई-निविदा उपलब्ध कालावधी: दि. १६.१०.२०२५ ते दि.२४.१०.२०२५ रोजी १७.३० वा.पर्यत .
ई निविदा उघडणे : दि. २७.१०.२०२५ रोजी १४.०० वा. नंतर .
(महाराष्ट्र शासन सा.बां विभाग, मंत्रालय मुंबई यांचे पत्र संकीर्ण-२०२२/प्र.क्र.१०४/इमा-२ दि.१४.०२.२०२५)
खालील संकेतस्थळावर ई निविदाची सर्व माहिती उपलब्ध आहे.
१. वरील अंदाजित रक्कमेत जी.एस.टी. सामाविष्ट नसून ठेकेदाराने निविदेत दर भरताना जी.एस..टी. वगळून दर नमूद करावा. अंदाजित रक्कमेवर नमूद केलेल्या दरानुसार आलेल्या रक्कमेवर जी.एस..टी.१८इ वेगळा अदा करण्यात येईल.
२.http://mahatenders.gov.in
(सदर निविदा सूचनेमध्ये काही बदल होत असल्यास वरील वेवसाईट वरती कळविण्यात येईल.)
३. कामाच्या करारनाम्यात पोस्ट क्वॉलिफीकेशनचा क्रायटेरिया समाविष्ट केलेला आहे.
४. कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई विद्युत विभाग, (मुलूंड) मुंबई कार्यालयातील सूचना फलक .
जा.क्र. काअ/उमुंविवि/निविदा/३०४९/२०२५ दिनांकः ०९.१०.२०२५

DGIPR/2025-26/3224

सही
कार्यकारी अभियंता,
उत्तर मुंबई विद्युत विभाग,
सा. बां. विभाग मुंबई.

पाकिस्तान-अफगान संघर्ष में 50 की मौत के बाद 48 घंटे का संघर्षविराम, हालात अब भी तनावपूर्ण

इस्लामाबाद/काबुल। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर तनाव बढ़ा हुआ है। मंगलवार की रात सीमा पर ताजा झड़प में दर्जनों सैनिकों सहित नागरिक भी मारे गए। एक मीडिया रिपोर्ट में बुधवार को दोनों पक्षों के सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी गई।

पाकिस्तानी सेना का दावा- 20 तालिबान लड़ाके मारे गए

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि सीमा पर झड़प की पहली रिपोर्ट सामने आने के कुछ घंटों बाद पाकिस्तान अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में हवाई हमले किए। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि अफगानिस्तान तालिबान ने दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम में प्रमुख सीमा चौकियों पर दो हमले किए, जिन्हें विफल कर दिया गया। एएफपी समाचार एजेंसी के मुताबिक, बुधवार सुबह कंधार प्रांत के दक्षिणी हिस्से में अफगान सीमा के पास स्पिन बोल्डक के नजदीक किए गए हमलों में 20 तालिबान लड़ाके मारे गए।

रातभर हुई झड़प में 30 लोग मारे गए: पाकिस्तानी सेना

रिपोर्ट में सेना के एक बयान के हवाले से कहा गया, दुर्भाग्य से यह हमला इलाके में बंटे हुए गावों पर किया गया, जहां नागरिक आबादी की कोई परवाह

नहीं की गई। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि अपनी उत्तर-पश्चिमी सीमा पर रातभर हुई झड़प में 30 और लोग मारे गए हैं।

अफगानिस्तान का दावा- 15 लोग मरे और दर्जनों घायल

वहीं, अफगान अधिकारियों ने समाचार एजेंसी को बताया कि सीमा पर हुई ताजा हिंसा में 15 नागरिक मारे गए और दर्जनों घायल हुए हैं। रॉयटर्स ने सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान के ओरकजई जिले में सैनिकों और आतंकवादियों के बीच हुई झड़प में पाकिस्तानी अर्धसैनिक बल के छह सैनिक मारे गए और कई घायल हुए।

तालिबान शासन के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर आरोप लगाया कि उन्होंने फिर से जिले में हल्के और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। पिछले साप्ताहांत पर भी दोनों पक्षों के बीच झड़पें हुई थीं। तब अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर जवाबी हमले किए थे। उसने काबुल पर हुए एक हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया था।

पाकिस्तान ने कहा- गोलीबारी का जवाब दिया

पाकिस्तान ने कहा कि उसने 'बिना उकसावे' के कुर्रम क्षेत्र में हुई गोलीबारी का जवाब दिया, कई तालिबान मारे और उनके आगे के ठिकानों और एक टैंक को नुकसान पहुंचाया। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट ने राज्य संचालित पाकिस्तान टेलीविजन (पीटीवी) के हवाले से एक्स पर यह जानकारी दी। पीटीवी ने रिपोर्ट में बताया कि पाकिस्तान तालिबान (टीटीपी) के का एक शीर्ष कमांडर बदले की कार्रवाई में मारा गया।

कई 'घुसपैठिए' पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया: तालिबान शासन

वहीं, तालिबान शासन के जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पोस्ट में कहा कि अफगान बलों ने कई 'घुसपैठिए' पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया, हथियार और टैंक जब्त किए और उनके ठिकानों को कब्जा कर लिया। फिलहाल पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के साथ 48 घंटे के संघर्षविराम का एलान किया है।

पिछले सप्ताहांत पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर क्या हुआ

अफगानिस्तान ने शनिवार देर रात सीमा पर पाकिस्तानी सैनिकों पर हमले किए, जिसे उसने सात अक्तूबर की रात काबुल पर पाकिस्तानी सेना की ओर से किए गए हवाई हमलों का बदला बताया। अफगानिस्तान ने दावा किया कि उसके हमलों में 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। जबकि पाकिस्तान ने कहा कि आंकड़ा 23 है और उसने जवाबी कार्रवाई में 200 से अधिक तालिबान और उससे जुड़े लड़ाकों को मार गिराया। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा चौकियां भी तनाव के कारण 12 अक्तूबर को बंद कर दी गईं।

धोखेबाज निकला हमास! युद्धविराम समझौते का किया उल्लंघन, इजराइली बंधकों में एक शव फिलीस्तीनी भेजा

यरुशलम **(एजेंसी)**। इजरायली मीडिया ने रिपोर्ट दी है कि हमास ने मृत बंधकों के शव लौटाने में धोखेबाजी की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'गाजा पीस प्लान' के तहत हमास ने मंगलवार को चार मृत बंधकों के शव इजरायल को सौंपे, लेकिन एक शव किसी इजरायली बंधक का नहीं बल्कि गाजा का एक फिलिस्तीनी व्यक्ति ने बंधकों के शवों के अदला-बदली के दौरान अन्य व्यक्तियों के अवशेष इजरायली नागरिक के रूप में सौंपे थे। इजरायली अधिकारियों ने बताया कि 'कल हमास ने जो शव लौटाए, उनमें से एक किसी इजरायली का नहीं बल्कि गाजा के एक फिलिस्तीनी व्यक्ति का है। बाकी तीन शवों की पहचान तामिर निमरोडी, ईतान लेवी और उरिएल बारूख

निकला। इजरायल के चैनल 12 और 11 की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली अधिकारी शव की पहचान जांच रहे हैं और इसे युद्धविराम समझौते के उल्लंघन के रूप में देख रहे हैं। पहले भी हमास के रूप में की गई है।'इस साल की शुरुआत में भी हमास ने इजरायल को शिरी बीबस का शव देने का दावा किया था, लेकिन बाद में जांच में यह गाजा का एक अन्य व्यक्ति निकला।

बीजेपी की दूसरी लिस्ट जारी, मैथिली ठाकुर संग आनंद मिश्रा को भी टिकट

पटना **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 12 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची जारी कर दी। इनमें लोक गायिका मैथिली ठाकुर का नाम भी शामिल है, जो अलीनगर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी। पार्टी ने बक्सर से पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा को भी टिकट दिया है।

इससे पहले सोमवार को, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महत्वपूर्ण बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपने 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इस सूची में दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी

शामिल हैं। अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में पूर्व उपमुख्यमंत्री रेणु देवी (बेतिया) और तारकिशोर प्रसाद (कटिहार), मंगल पांडे (सीवान), नीतीश मिश्रा (झंझारपुर), नीरज कुमार सिंह बब्लू (छातापुर), विजय कुमार मंडल (सिकटी), संजय सरावगी (दरभंगा), राणा रणधीर सिंह (मधुबन), सुनील कुमार पिंटू (सीतामढ़ी), राम नारायण मंडल (बांका), कृष्ण कुमार ऋषि (बनमनखी), नितिन नबीन (बांकीपुर), डॉ. प्रेम कुमार (गया) शामिल हैं। टाउन) और सिद्धार्थ सौरव (बिक्रम)। पूर्व केंद्रीय मंत्री राम कृपाल यादव, जो 2024 में पाटलिपुत्र निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव हार गए थे, को पार्टी ने दानापुर से मैदान में उतारा है। बीजेपी ने रेनू देवी के अलावा 8 अन्य महिला उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है, जिनमें श्रेयसी सिंह (जमुई), अरुणा देवी (वारसलीगंज), रमा निषाद (औराई), निशा सिंह (प्राणपुर), कविता देवी (कोरहा), स्वीटी सिंह (किशनगंज), देवंती यादव (नरपतगंज) और गायत्री देवी (परिहार) शामिल हैं।

योगी का कड़ा संदेश: त्योहारों में शांति भंग करने वालों की जगह सिर्फ जेल में होगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को चेतावनी दी कि त्योहारों के जश्न में खलल डालने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को तुरंत जेल भेज दिया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार 1 करोड़ 86 लाख उज्ज्वला योजना लाभार्थियों को दिवाली उपहार के रूप में मुफ्त एलपीजी सिलेंडर प्रदान कर रही है, जिससे उनकी सरकार का महिलाओं के कल्याण और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित होने की बात दोहराई जा रही है।

सभा को संबोधित करते हुए, सीएम योगी ने कहा कि अगर कोई भी इस त्योहार के आनंद और उत्साह को बाधित करने की कोशिश करेगा, तो जेल की सलाखें उसका इंतजार कर रही होंगी; चाहे वे कोई भी हों, उन्हें बिना देर किए सलाखों के पीछे डाल दिया जाएगा। त्योहारों और समारोहों

को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाया जाना चाहिए। पिछले आठ वर्षों में, उत्तर प्रदेश में हर समुदाय के सभी त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाए गए हैं... यह अब दंगाइयों के आगे झुकने वाली सरकार नहीं है।

मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर वितरण कार्यक्रम में लाभार्थियों और अधिकारियों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत सहायता प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी और अपने कैबिनेट सहयोगियों सुरेश खन्ना, दिनेश शर्मा, संजय सेठ और महापौर सुषमा खरकवार का नाम लिया। उन्होंने दिवाली से पहले 'राज्य के 1 करोड़ 86 लाख लाभार्थियों' को मुफ़्त सिलेंडर वितरण को दिवाली का तोहफ़ा बताया और 2021 में होली और दिवाली के अवसर पर साल में दो बार मुफ़्त रसोई गैस उपलब्ध कराने के सरकार के फ़ैसले को रेखांकित किया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य त्योहारों में सामूहिक भागीदारी और परिवारों को राहत पहुँचाना है, 'आपका पैसा ऐसे रसोई गैस पर खर्च होता है।' उन्होंने आगे कहा कि साल में दो बार मुफ़्त सिलेंडर देना एक लोक कल्याणकारी सरकार की ज़िम्मेदारी है ताकि ज़रूरतमंदों, गरीबों, दलितों और वंचितों तक लाभ पहुँचे, और इस बात पर ज़ोर दिया कि पात्र लोगों को 'बिना किसी बाधा के' ऐसी सुविधाएँ मिलनी चाहिए। राष्ट्रीय उज्ज्वला योजना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 'आज़ादी के बाद पहली बार, 2014 से पहले किसी भी गरीब को यह योजना नहीं दी गई थी

रूस की हवाई घुसपैठ के बाद नाटो ने बढ़ाई सुरक्षा किलेबंदी! 24 घंटे रिएक्शन अलर्ट पर, अमेरिका भी साथ

मॉस्को **(एजेंसी)**। नाटो ने रूस द्वारा सदस्य देशों की वायुसीमा में घुसपैठ और ड्रोन हमलों की बढ़ती घटनाओं के मद्देनज़र अपनी रक्षा तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। ब्रुसेल्स में आयोजित रक्षा मंत्रियों की बैठक में इन घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई और यूरोप की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के उपायों पर चर्चा की गई।

यूरोपीय आयोग ने 'ड्रोन वॉल' योजना को विस्तारित करने का प्रस्ताव दिया है, जिसे अब 'यूरोपीय ड्रोन डिफेंस इनिशिएटिव' के रूप में जाना जाएगा। इस पहल का उद्देश्य यूरोप भर में ड्रोन हमलों से सुरक्षा के लिए सेंसर, जैमिंग सिस्टम और हथियारों का एक नेटवर्क स्थापित करना है। हालांकि, फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों में इस योजना को लेकर राजनीतिक और तकनीकी चुनौतियाँ सामने आ रही हैं। पोलैंड में 9-10 सितंबर को रूसी ड्रोन घुसपैठ के बाद नाटो ने 'ऑपरेशन ईस्टर्न सेंट्री' शुरू किया। इस ऑपरेशन के तहत एफ-16, एफ-35, राफेल और यूरोफाइटर जैसे लड़ाकू विमानों के साथ-साथ सैम्प्ट मिसाइल सिस्टम को तैनात किया गया है। इसका उद्देश्य नाटो की पूर्वी सीमा पर हवाई सुरक्षा को मजबूत करना है।

नाटो की वायुसेनाएँ अब 24 घंटे की तत्परता में हैं, ताकि किसी भी हवाई घुसपैठ का तुरंत जवाब दिया जा सके। यह नीति यूरोपीय हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

पोलैंड के विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की ने यूरोप को रूस के संभावित गहरे हमलों के लिए तैयार रहने की सलाह दी है। उन्होंने ड्रोन वॉल योजना के समर्थन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलों की आपूर्ति की मांग की। फ्रांस और जर्मनी ने ड्रोन वॉल योजना के लिए यूरोपीय आयोग के प्रस्ताव का समर्थन किया है, लेकिन कुछ राजनीतिक और तकनीकी बाधाएँ सामने आई हैं।

अमेरिका नाटो के सदस्य देशों को रक्षा सहायता प्रदान कर रहा है। हालांकि, स्पेन ने अपने रक्षा खर्च को 5इ तक बढ़ाने से इनकार किया है, जिससे राष्ट्रपति ट्रंप ने व्यापार प्रतिबंधों की धमकी दी है। नाटो और यूरोपीय संघ मिलकर यूरोप की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। हालांकि, विभिन्न देशों के बीच राजनीतिक मतभेद और तकनीकी चुनौतियाँ सामने आ रही हैं, लेकिन सामूहिक सुरक्षा की दिशा में प्रयास जारी हैं।

सिंगर जुबीन गर्ग की मौत का बवाल, आरोपियों पर जानलेवा हमला, असम में पुलिस ने की फायरिंग

बक्सा। असम के बक्सा ज़िले में बुधवार को तनाव व्याप्त हो गया जब प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले में गिरफ़्तार किए गए पाँच आरोपियों के ज़िला जेल पहुँचने के बाद ज़िला जेल के बाहर हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। यह अशांति तब शुरू हुई जब जेल के बाहर प्रदर्शन कर रहे प्रशंसकों ने गायक की मौत के मामले में गिरफ़्तार किए गए पाँच लोगों को ले जा रहे वाहन पर हमला कर दिया। आरोपियों कार्यक्रम आयोजक श्यामकानु महंत, गायक के प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा, चचेरे भाई और निलंबित एपीएस अधिकारी संदीपन गर्ग और नंदेश्वर बोरा सहित दो पीएसओ को

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दिन में ही न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जैसे ही आरोपियों को ले जा रही पुलिस की गाड़ियाँ जेल परिसर में पहुँचीं, जुबीन गर्ग के लिए न्याय की माँग कर रही एक बड़ी भीड़ जमा हो गई और काफिले पर पथराव शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि इस हमले में एक पुलिस वैन समेत कई गाड़ियाँ क्षतिग्रस्त हो गईं। स्थिति को शांत करने और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए, पुलिस ने हवा में गोलियाँ चलाईं और हिंसक हो चुकी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आँसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान एक पुलिस वाहन में भी आग लगा दी गई। अशांति के बाद, अधिकारियों ने आगे तनाव बढ़ने से रोकने के लिए जेल और आस-पास के इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। लोकप्रिय असमिया गायक जुबीन गर्ग की मौत से पूरे राज्य में व्यापक आक्रोश फैल गया है और उनके समर्थक मामले की गहन और पारदर्शी जाँच की माँग कर रहे हैं। असमिया गायक जुबीन गर्ग, जिन्होंने अपने सुपरहिट गीत 'या अली' से राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त की, का 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्री यात्रा के दौरान निधन हो गया। 52 वर्षीय गर्ग अगले दिन नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल में प्रस्तुति देने वाले थे। सूत्रों के अनुसार, 52 वर्षीय गर्ग जब समुद्री यात्रा पर थे, तभी उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें पास के एक अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें गहन चिकित्सा कक्ष में रखा, लेकिन उनकी जान नहीं बच पाई। उनकी अचानक मृत्यु ने प्रशंसकों और असमिया समुदाय को स्तब्ध कर दिया, जिससे भारतीय संगीत जगत में एक गहरा शून्य पैदा हो गया। शुरुआत में यह मामला एक साहसिक खेल के दौरान हुई आकस्मिक मृत्यु जैसा लग रहा था, लेकिन जल्द ही यह एक कथित हत्या का मामला बन गया, जब गायक की पत्नी गरिमा और कई प्रशंसकों ने इसमें गड़बड़ी का आरोप लगाया।

तालिबान का दावा : पाकिस्तानी सैन्य हमले में 12 अफगानी मारे गए, 100 से अधिक घायल

कंधार **(एजेंसी)** । अफगानिस्तान के कंधार प्रांत के स्पिन बोल्डक जिले में पाकिस्तानी सैन्य हमले में कम से कम 12 नागरिक मारे गए और 100 से अधिक लोग घायल हुए। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी तालिबान के हवाले से दी। तालिबान प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर बयान जारी करते हुए कहा कि पाकिस्तानी बलों ने सुबह जल्दी हल्के और भारी हथियारों से स्पिन बोल्डक पर हमला किया। मुजाहिद ने बताया कि अफगानी बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, उनके पोस्ट और केंद्र कब्जे में आए, हथियार और टैंक अफगानी बलों के हाथ लगे और अधिकांश सैन्य प्रतिष्ठान नष्ट हो गए।

तालिबान अधिकारियों के अनुसार, दोनों देशों की सेनाओं के बीच टकराव सुबह 4 बजे शुरू हुआ और लगभग 8 बजे तक चला। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस संघर्ष में दोनों ओर के सैनिकों और नागरिकों को नुकसान पहुंचा और आसपास के आवासीय क्षेत्रों में भी तबाही हुई। कंधार के मेडिकल स्टाफ ने कहा कि कम से कम 25 शव और

80 से अधिक घायल अस्पतालों में लाए गए, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। यह घटना अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा तनाव के बढ़ने के बीच हुई है, जिसमें हाल के दिनों में कई झड़पें और हवाई हमले शामिल हैं।

तालिबान प्रवक्ता ने कहा कि पिछले सप्ताह अफगानी बलों की जवाबी कार्रवाई में 58 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 30 अन्य घायल हुए। इसके अलावा 20 पाकिस्तानी सुरक्षा चौकियां नष्ट कर दी गईं और कई हथियार कब्जे में लिए गए। मुजाहिद ने यह भी दावा किया कि अफगानिस्तान में घ्एघ्ए-ख पर जीत के बाद यह समूह पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अपने ठिकाने स्थापित कर रहा है।

चंद्रयान के बाद अब गगनयान! 2040 तक चांद पर भारत का मानव मिशन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इसरो प्रमुख वी नारायणन ने हाल ही में भारत के प्रमुख अंतरिक्ष उद्देश्यों पर एक अपडेट दिया, जिसमें देश के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष यान मिशन के प्रक्षेपण कार्यक्रम की पुष्टि की गई और चंद्र अन्वेषण एवं अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इसरो प्रमुख के अनुसार, भारत का पहला मानवयुक्त अंतरिक्ष यान मिशन गगनयान, 2027 में अपने प्रक्षेपण के लिए तैयार है। भारत की अंतरिक्ष क्षमता को रेखांकित करते हुए, इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने कहा कि देश नौ अंतरिक्ष श्रेणियों में विश्व स्तर पर प्रथम स्थान पर है। इसरो की उपलब्धियों में चंद्रयान-1 मिशन के ज़रिए चंद्रमा पर पानी की खोज से लेकर चंद्रयान-3 मिशन के ज़रिए चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास पहली सॉफ्ट लैंडिंग तक शामिल है।

जस्टिन ट्रूडो और कैटी पेरी की यॉट पर किस करती तस्वीरें वायरल, रिलेशनशिप का खुलासा!

लंदन में एक लाइव परफॉर्मेंस के दौरान कैटी पेरी की हालिया टिप्पणियों ने उनके रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर चर्चा छेड़ दी है। कुछ तस्वीरें ऑनलाइन सामने आईं जिनमें उन्हें कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ सांता बारबरा तट पर एक यॉट पर दिखाया गया था। इसके तुरंत बाद, पेरी ने लंदन के ओ2 एरिना में परफॉर्म किया, जहाँ एक प्रशंसक के प्रपोज़ल पर उनके मंच पर दिए गए जवाब ने ध्यान खींचा और उनके रिलेशनशिप स्टेटस पर सवाल खड़े कर दिए।

कॉन्सर्ट के दौरान, एक प्रशंसक ने पेरी को स्टेज पर प्रपोज़ किया। उन्होंने जवाब दिया, 'काश आपने मुझसे 48 घंटे पहले पूछा होता।' मीडिया रिपोर्ट्स और ट्रूडो के साथ तस्वीरें वायरल होने के तुरंत बाद इस टिप्पणी के समय ने कई लोगों को यह अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया कि क्या वह अपनी निजी ज़िंदगी का ज़िक्र कर रही थीं। पेरी या ट्रूडो की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कुछ दिन पहले, इस जोड़े को कैलिफ़ोर्निया के सांता बारबरा में कैटी पेरी की यॉट पर किस करते हुए देखा गया था, जिससे महीनों से चली आ रही डेटिंग की अफवाहों पर विराम लग गया। वायरल तस्वीरों में वे दोनों एक साथ एक सुकून भरी दोपहर का आनंद लेते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि पहले ऐसी खबरें आई थीं कि मॉन्ट्रियल में डिनर डेट के बाद ट्रूडो मीडिया की नज़रों से असहज थे।

दोनों का नाम पहली बार जुलाई में मॉन्ट्रियल में एक डिनर डेट पर देखे जाने के बाद जुड़ा था। हाल ही में सांता बारबरा की एक यात्रा के बाद उनकी डेटिंग की अफवाहों को और बल मिला, जहाँ गायिका और राजनेता एक यॉट पर किस करते हुए देखे गए थे। अब एक सूत्र ने खुलासा किया है कि जस्टिन ट्रूडो तब से ही उनके पीछे पड़े हुए थे।

अब, ताज़ा अपडेट्स से पता चलता है कि ट्रूडो ने पॉप आइकन के साथ रहने की अपनी लंबी इच्छा ज़ाहिर की है। सूत्र ने कैटी के साथ रिश्ते को बेहतर बनाने के उनके प्रयासों के बारे में बात की। सूत्र ने आगे कहा, 'वह टूर ब्रेक के दौरान उनसे मिलने कैलिफ़ोर्निया भी गए थे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)